भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी - 12

ब्रिटेन और जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों - 12

अमेरिकी दावा, भारत ने रूस से तेल का आयात कम करना शुरू किया - 13

रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में - 14

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.19

सूर्यास्त 05.33

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर

मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 335, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया।

अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

तानाशाही भरा फरमान

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।

- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी मुरादाबाद

'अबकी बार, मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष नहीं रहे

मुंबई। भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवाड्र्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को मुंबई में

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसने से लगी आग

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी। शॉर्ट सर्किट से बस का दरवाजा जाम हो गया और बस पूरी तरह जल गई।

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद राजधानी दहलाने की थी साजिश

दिल्ली व मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया।

नीट-यूजी काउंसलिंग में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

लखनऊ। नीट यूजी-2025 की तीसरी काउंसलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुनः संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

सुखद अहसास | मुख्य सचिव ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा- इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

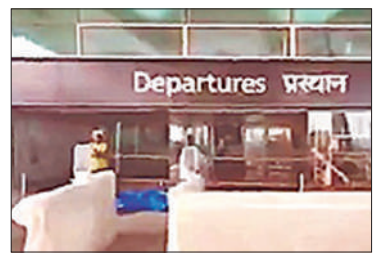

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काउंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं । यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है। जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा।

अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सात दिवसीय रामकथा आरंभ

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर की मदन मोहन कॉलोनी में सात दिवसीय श्री रामकथा शुरू हो गई। कॉलोनी के शिव मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम कथा के पहले दिन कथा व्यास प्रेममूर्ति पंकज मिश्रा ने भक्तों को प्रभु श्री राम के गुणों की कथा सुनाई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कहा कि मनुष्य को प्रभु श्री राम के आदर्शों पर चलना चाहिए। ऐसा करने से सुखद जीवन की अनुभूति होती है। परिसर में श्रीराम के जयकारों की गूंज रही।

सबीना बनी धनेगा की कार्यवाहक प्रधान

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत धनेगा में ग्राम पंचायत सदस्य सबीना को ग्राम पंचायत का कार्यवाहक ग्राम प्रधान बनाया गया है। बता दें कि ग्राम पंचायत धनेगा के ग्राम प्रधान नाबिर की 12 अगस्त को इंतकाल हो गया था। जिस कारण ग्राम पंचायत में विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। इधर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत में रिक्त चले आ रहे प्रधान के पद को लेकर ग्राम पंचायत सदस्य सबीना को कार्यवाहक ग्राम प्रधान मनोनीत किया है।

महिला ने खाया जहर हालत बिगड़ी

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने पारिवारिक कलह से तंग आकर खुदकुशी करने की कोशिश की। उसने घर पर रखा जहरीला पदार्थ पी लिया। महिला की हालत बिगड़ने पर परिवार में खलबली मच गई। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी पहुंचे। वहां काफी देर तक चले इलाज के बाद महिला की हालत में सुधार होने पर परिजन डिस्चार्ज कराकर घर ले गए।

नो एंट्री में दौड़ रहे ई-रिक्शा के चालान

पीलीभीत, अमृत विचार : यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को यातायात पुलिस ने गौहनिया चौराहा, डिग्री कॉलेज चौराहा आदि पर दोपहिया वाहनों की चेकिंग की। बिना हेलमेट पहने बाइक दौड़ाने वालों के चालान किए गए। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने बाजार में भी भ्रमण किया। इस दौरान नो एंट्री में दौड़ रहे कई ई-रिक्शा के चालान किए गए।

त्योहार के बाद खुली ओपीडी, उमड़ी भीड़

वायरल बुखार के साथ सांस और आंखों की समस्या वाले अधिक रहे मरीज, इलाज के लिए मारामारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

दवा काउंटर पर लगी मरीजों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धनतेरस, दीपावली और भैयादूज की चहल-पहल थमते ही मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ा। शुक्रवार सुबह से ही अस्पताल के हर वार्ड और गलियारे में मरीजों की लंबी कतारें दिखाई दीं। कोई वायरल बुखार से तप रहा था तो कोई खांसी-जुकाम और सांस लेने में परेशानी लेकर पहुंचा था। कई मरीज आंखों में जलन और लालिमा की परेशानी लेकर पहुंचे। हालात ये रहे कि अस्पताल के सीमित इंतजाम भीड़ के आगे बेबस नजर आए। घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद लोगों को डॉक्टरों से परामर्श मिल सका। त्योहार की थकान और मौसम के बदलाव ने मिलकर लोगों की सेहत पर असर डाल दिया। इधर, डॉक्टर भी मरीजों को बचाव की सलाह देते दिखाई दिए।

दीपावली के बाद शुक्रवार को जिला अस्पताल की ओपीडी खुली तो सुबह से पर्चा बनवाने के लिए मरीजों की लाइन लगना शुरू हो गई। अस्पताल के पर्चा और दवा काउंटर पर मरीजों की लंबी लाइन रही। सुबह आठ बजे से ही मरीज पंजीकरण कराने के लिए अस्पताल पहुंच चुके थे। जिनका अस्पताल के खुलने के निर्धारित समय से पर्चा बना, इसके बाद वह डॉक्टर के कक्ष के बाहर अपनी बारी का इंतजार करने लगे। सुबह से ही पर्चा काउंटर से लेकर दवा काउंटर और डॉक्टरों के चैंबर भीड़ से भरे दिखाई दिए। ओपीडी में वायरल बुखार के अलावा, एलर्जी, दमा, शुगर और हार्ट के मरीजों की संख्या अधिक रही।

अकेले मेडिसिन विभाग में मरीजों की संख्या चार सौ से अधिक रही। पिछले दिनों की तुलना में मरीजों का आंकड़ा दोगुना रहा। आतिशबाजी की वजह से सांस रोगियों की संख्या में अचानक दो गुना तक बढ़ोत्तरी हो गई। दीवाली और भाई दूज पर मिठाई के शौक ने शुगर और हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी। अधिकतर की शुगर लेवल और बीपी काफी ज्यादा बढ़ा मिला। जिनको दवा दी गई। भीड़ अधिक होने से ओपीडी में आपाधापी बनी रही। धक्का मुक्की के बीच मरीज डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए जुटे रहे। करीब एक घंटे इंतजार करने के बाद उन्हें डॉक्टर का परामर्श मिला। इसके बाद वह दवा काउंटर पर पहुंचे, जहां एक ही विंडो होने के कारण महिलाओं और पुरुष की लंबी लाइन लग गई। इस दौरान कई मरीज बीच लाइन में लगने पर झगड़ते भी रहे। जिन्हें सुरक्षा कर्मियों ने शांत किया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार करीब पूरे दिन में 12 सौ से अधिक पर्चे बने। इनमें अधिकतर मेडिसिन विभाग से जुड़े रहे।

> बदलते मौसम के चलते बुखार का प्रकोप पहले ही बना हुआ था। अब दिवाली पर हुए खानपान से लोगों को पेट दर्द और एसिडिटी और हार्ट के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। साथ ही सांस रोगियों की संख्या में भी बढ़ी है। लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। सभी को जांच कर दवाई दी गई है। - **डॉ. रमाकांत सागर**, सीएमएस

बेड हो गए फुल, तीमारदार से भिड़ा सुरक्षाकर्मी

जिला अस्पताल में एक बार फिर भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ गई है। हालात ऐसे है कि अस्पताल के सभी बेड रोगियों भर गए है। वायरल फीवर से ग्रसित मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण जनरल वार्ड और सर्जरी बेड की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। बदलते मौसम और दीपावली के अवकाश के बाद खुले जिला अस्पताल में शुक्रवार को मरीजों की भीड़ उमड़ी। अधिकांश लोग वायरल बुखार और घायलों सहित अन्य बीमारियों से ग्रसित हो रहे। इससे अस्पताल के सभी बेड भर गए। एक्सरे और अल्ट्रासाउंड के लिए भी कतार लगी रहीं। मेडिकल कॉलेज के सर्जरी वार्ड में ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी ने तीमारदार के साथ अभद्रता की। बताते है कि डॉक्टर ने कुछ दवा लेने के लिए तीमारदार को दवा काउंटर पर भेजा था। वापस आने पर सुरक्षाकर्मी ने वार्ड के गेट पर उसे रोक लिया। डॉक्टर के द्वारा भेजे जाने की बात कहने पर कर्मी अभद्रता करने लगा। डॉक्टर से शिकायत करने पर सुरक्षा कर्मी को फटकार लगाई गई।

अमरिया एसडीएम के पेशकार पर भ्रष्टाचार के आरोप

डीएम से मुलाकात करने पहुंचे अधिवक्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **डीएम से मिले अधिवक्ता, पेशकार के स्थानांतरण की मांग**

अमृत विचार: तहसील अमरिया में तैनात एसडीएम के पेशकार पर भ्रष्टाचार समेत गंभीर आरोप लगे हैं। कई दिन से अमरिया तहसील क्षेत्र के अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। मगर, अभी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

आंदोलन को गति देते हुए अब मुख्यालय के अधिवक्ताओं के साथ अमरिया के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को कचहरी पहुंचकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से मुलाकात की। इस दौरान पेशकार के स्थानांतरण की मांग की गई। एसडीएम पर गंभीर आरोप लगाए गए। ये भी साफ कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती है हड़ताल जारी रहेगी। उधर, एसडीएम मयंक गोस्वामी ने खुद पर लगाए गए आरोपों को गलत बताया। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से सुना, इसके साथ ही अधिवक्ताओं को जांच कराकर रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट की विधायक ने कराई शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

टूर्नामेंट में पहुंचे पूरनपुर विधायक बाबूराम और एसडीएम।

अमृत विचार: ग्राम चंदिया हजारा में स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब की ओर से विशाल मैत्री फुटबॉल फेस्टिवल टूर्नामेंट कराया जा रहा है। शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, एसडीएम अजीत प्रताप सिंह ने पहुंचकर इसकी शुरुआत कराई। अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उत्साहवर्धन किया।

सिद्धार्थ युवा क्लब नेपाल और लियो स्पोर्ट्स क्लब सम्पूर्णानगर टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच शुरू कराया। खिलाड़ियों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। इस मौके पर आयोजन समिति अध्यक्ष जयंत सरदार, सचिव मोहन राय कोषाध्यक्ष मनोज सरकार उपाध्यक्ष मिथुन मंडल, संरक्षक प्रवीर सरकार , ग्राम प्रधान बासुदेव कुंडू , राजेश, अरविंद मंडल, सुंदरलाल प्रजापति, गौरंग मंडल आदि मौजूद रहे।

निरीक्षण में 30 धान क्रय केंद्र प्रभारी मिले नदारद, नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **केंद्रों पर लापरवाही के शोर के बीच शासन की चेकिंग में खुली पोल**

> शासन के निर्देशानुसार जनपद के सभी धान क्रय केंद्रों की पड़ताल की गई है। इस दौरान 30 केंद्र प्रभारी अनुपस्थित पाए गए हैं। सभी अनुपस्थित केंद्र प्रभारियों का वेतन काटा जाएगा। रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी गई है। - **विजय कुमार शुक्ला**, डिप्टी आरएमओ

अमृत विचार: धान खरीद में क्रय केंद्रों पर प्रभारियों की ओर से बरती जा रही लापरवाही का शोर कई दिन से है, लेकिन जिम्मेदार उसे अनदेखा कर रहे थे। अब पांच दिन के अवकाश के बाद शासन ने सख्ती की और अफसरों को जांच के लिए दौड़ाया तो हकीकत सामने आ गई। निरीक्षण में 30 केंद्र प्रभारी गैरहाजिर मिले, रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक गैरहाजिर केंद्र प्रभारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के साथ ही वेतन भी काटा जा रहा है।

जिले में धान खरीद के लिए 132 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। अब तक 60 हजार मीट्रिक धान खरीद भी की जा चुकी है। दीपावली पर्व को लेकर बीते रविवार से लेकर गुरुवार तक अवकाश के चलते धान क्रय केंद्रों पर खरीद नहीं की गई। शुक्रवार को सभी धान क्रय केंद्रों पर खरीदी की गई। शासन के निर्देश पर क्रय केंद्रों की पड़ताल की गई। इस दौरान सभी 132 क्रय केंद्रों पर केंद्र प्रभारियों की उपस्थिति जांची गई। इस दौरान 30 क्रय केंद्र प्रभारी अनुपस्थित मिले।

रात से ही चारपाई-मच्छरदानी लेकर पहुंचे थे किसान : क्रय केंद्र शुक्रवार से खोले जाने थे, लेकिन मंडी समिति स्थित क्रय केंद्रों पर किसानों की आवाजाही गुरुवार रात से ही शुरू हो गई थी। गुरुवार रात को ही किसान मंडी समिति पहुंच गए थे। अपने धान लदे ट्रैक्टर ट्रॉली क्रय केंद्रों के बाहर खड़े कर दिए। इसके बाद उन्हीं के ऊपर चारपाई डालकर मच्छरदानी लगाकर कई किसान रातभर रखवाली भी करते रहे। शुक्रवार को दिन में आलम ये था कि हर तरफ धान लदे ट्रैक्टर ट्रॉली ही दिखाई दे रहे थे।

बीसलपुर में पांच केंद्र प्रभारी मिले गैर हाजिर, डीएम को भेजी गई रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : स्थानीय मंडी समिति परिसर में संचालित विभिन्न विभागों के 33 धान क्रय केंद्रो पर फैली अव्यवस्थाओं का शोर मचा है। इसी के चलते शुक्रवार को एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने मंडी पहुंचकर निरीक्षण किया। अवस्थाओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने मंडी समिति में सभी क्रय केंद्रों पर लेखपालों की ड्यूटी लगाकर कृषि संबंधी कागजों का सत्यापन करने के बाद ही नंबर से धान तुलवाने के लिए किसानों को टोकन जारी करने के निर्देश दिए। धान क्रय केंद्रों के सामने किसानों द्वारा सुखाए जा रहे धानों को लेकर भी केंद्र प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा, कि किसी भी किसान के धान क्रय केंद्र के सामने नहीं सुखाए जाएंगे। बल्कि वह अपने धान को घर से ही सुखाकर नमी दूर करके केंद्र पर विक्रय करने के लिए लाएं। केंद्र प्रभारी पहले किसानों के धान की नमी मापक यंत्र द्वारा मापने के बाद ही धान को क्रय केंद्र पर उतारें। उन्होंने शिकायत पर धान तुलवाने में मध्यस्थता करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस की हिरासत में दे दिया गया। उन्होंने पांच धान क्रय केंद्रों के प्रभारियों के नदारद मिलने पर रिपोर्ट बनाकर डीएम को भेज दी है। बताते हैं कि कई दिन से खामियों का शोर मचा हुआ था लेकिन अब शासन स्तर से औचक निरीक्षण कराए गए तो जिम्मेदार धरातल पर उतरे और हकीकत उजागर हो गई।

दिवाली मेला शुरू, पहले दिन हुआ मैजिक शो

संवाददाता, मझोला

ज्योतिर्मय देव भोला को मझोला गौरव सम्मान से पुरस्कृत करते अतिथि।

अमृत विचार: रामलीला मैदान में तीन दिवसीय दशहरा-दीपावली मेला शुरू हो गया। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरभाग सिंह ने संयुक्त रूप से मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके गुरुवार रात शुरुआत कराई।

इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक ज्योतिर्मय देव भोला को मझोला गौरव सम्मान प्रदान किया गया। खटीमा से आए राकेश रोक्सी ग्रुप के बच्चों ने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिन्दूर को समर्पित बेहद सुंदर प्रस्तुति दी, जिसे सभी ने सराहा। आईपीएल एंकर मनीषा पांडेय ने मंच का संचालन किया। दिल्ली से आए जादूगर अंकुर ने इंद्रजाल समेत अनेक हैरतंगेज जादू दिखाए। दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। देर रात तक झूलों और स्टालों पर भीड़ रही। विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। रामायण पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में यशवी प्रथम, अनुज, आर्यन की टीम द्वितीय और अनुष्का, संजना, संध्या की टीम तृतीय रही। राम नाम लेखन वन मिनट प्रतियोगिता में अमन कुमार प्रथम, वैभव द्वितीय और भूमिका तृतीय रही। रंगोली प्रतियोगिता में खुशी हलधर प्रथम, प्रियंका द्वितीय और सोनाक्षी तृतीय रही। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में यशिका गंगवार प्रथम, अनाया गर्ग द्वितीय और अथर्व अग्रवाल तृतीय रहे। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन अजय गोयल, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल, इंजीनियर अजय सिंह, विनीत मित्तल, नितिन गोयल, मनोज वाधवा, मनजिंदर सिंह, संतोष अग्रवाल,संदीप अग्रवाल, मोहित गोगिया, गुलशन स्वर्णकार, पलविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

- **विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई गई, विजेता किए गए पुरस्कृत**

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हुआ रद्द

बताते हैं कि पहले इस मेले का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों होना प्रस्तावित था। इसी को लेकर प्रचार प्रसार भी आयोजकों के द्वारा किया गया था। मगर, ऐन वक़्त पर संगठन द्वारा उनको बिहार चुनाव में विभिन्न केंद्रों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग लेने की जिम्मेदारी उनको मिली और फिर उनका मेला उद्घाटन का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।

पति समेत चार पर दहेज हत्या की रिपोर्ट

माधोटांडा, अमृत विचार: महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में मायके वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पति समेत चार के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

चंदिया हजारा गांव निवासी उपास सरकार ने बताया उनकी पुत्री गीता वर्मा की शादी 2020 में गभिया सहराई गांव के विजय वर्मा से हुई थी। कुछ समय बाद से ही ससुराल वाले बेटी को प्रताड़ित करने लगे। कार और सोने की अंगूठी की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने 21 अक्टूबर की शाम उसकी हत्या कर दी। जानकारी मिलने पर वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पहुंचे तो पुत्री मृत मिली। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि पति विजय वर्मा, गोपाल वर्मा, मुन्ना वर्मा, सपना वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

बीमारियों से बचाने को कराएं सफाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बैठक के दौरान समीक्षा करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

- **जिला स्वास्थ्य समिति एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की हुई समीक्षा**

अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति और संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान डीएम ने अस्पतालों के प्रमाणीकरण, जननी सुरक्षा योजना, जन्म मृत्यु पंजीकरण आदि योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में सफाई अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए।

गांधी सभागार में शुक्रवार को हुई बैठक में डीएम ने अस्पतालों के प्रमाणीकरण, मातृ मृत्यु दर, जननी सुरक्षा योजना में डिलीवरी एवं भुगतान, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सब सेंटर पर डिलीवरी की स्थिति, आशा भुगतान, मंत्र एप प्रगति, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन्मजात दोष से ग्रसित बच्चों की सर्जरी, आभा आईडी रिपोर्ट, परिवार नियोजन, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, दवाओं की उपलब्धता, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा की। डीएम ने जनपद में सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत विभागवार लक्ष्य के सापेक्ष साप्ताहिक उपलब्धियों पर चर्चा की गई।

पंचायतीराज विभाग द्वारा की गई गतिविधि जिसमें झाड़ियों की छटनी, जल निकासी, शहरी विकास के अन्तर्गत फॉगिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव, कृषि, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, स्वच्छ भारत मिशन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक व संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी की। इस दौरान डीएम ने साफ सफाई अभियान चलाए जाने एवं घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, डीपीआरओ रोहित भारती, जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल, जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी आदि मौजूद रहे।

छठ महापर्व को लेकर टीम लगाकर कराई सफाई

मझोला में घाट पर सफाई करती टीम। ● अमृत विचार

मझोला,अमृत विचार: नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा की ओर से छठ महापर्व को देखते हुए तालाब पर सफाई कार्य तेज कर दिया गया है। छठ घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाते हुए टीम लगाई गई।

शुक्रवार को भी दिनभर टीमें साफ सफाई करने में जुटी रही। सड़कों पर झाड़ू लगाई गई, जलनिकासी की व्यवस्था सुधारी। छठ व्रतियों की सुविधा के लिए घाटों पर अतिरिक्त रोशनी के इंतजाम कराए गए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे भी छठ पर्व के दौरान स्वच्छता बनाए रखें और धार्मिक आस्था के इस पावन पर्व में सहयोग करें।नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। नगर पंचायत का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में व्रत एवं अर्घ्य करने का अवसर मिले।इसी को देखते हुए टीमें लगाकर काम कराया गया है।

सतनाम वाहेगुरु का किया जाप

मझोला, अमृत विचार: कस्बा स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु कलगीघर सिंह सभा में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर सतनाम वाहेगुरु का अखंड जाप शुरू हुआ। ये 28 अक्टूबर तक जारी रहेगा। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथि बाबा गुरजंट सिंह ने बताया कि 29 अक्टूबर से तीन नवंबर तक प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी। तीन नवंबर को श्री अखंड पाठ साहिब का आरंभ होगा ।

कार्यकारिणी का गठन

पीलीभीत,अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष मोहित अग्रवाल की अगुवाई में नगर कार्यकारिणी का गठन हुआ। विकास चंद्र गुप्ता को नगर अध्यक्ष शोभित कांत नगर महामंत्री बनाए गए। इसके अलावा अमित वार्ष्णेय, विपुल कुमार पांडे, सुनील सैनी, सुखदीप सिंह, रोहित सिंघल नगर मंत्री । कुलदीप कुमार को नगर उपाध्यक्ष, हरीश गंगवार, राहुल तिवारी और नरेश वर्मा को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

त्योहार | **पंचोत्सव के दौरान 1.18 करोड़ से अधिक की आय, 70 हजार यात्रियों ने किया रोडवेज की बसों से सफर**

यात्रियों की भीड़ के आगे कम पड़ी विभाग की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शहर के नौगवां चौराहे पर रोडवेज बस में सवार होते यात्री। ● अमृत विचार

अमृत विचार : त्योहारी सीजन के दौरान सुगम यात्रा का दावा करने वाला रोडवेज प्रशासन भले ही यात्रियों की बढ़ी भीड़ के आगे बेबस दिखा, मगर दीपावली समेत त्योहारों पर रोडवेज बसों में उमड़ने वाली भीड़ से रोडवेज डिपो के राजस्व में खूब इजाफा किया। दीपावली से लेकर भैया दूज तक हर रूट पर बढ़ाए जाने वाले फेरों से स्थानीय रोडवेज डिपो ने 1.18 करोड़ से अधिक की कमाई की। वहीं करीब 70 हजार यात्रियों ने रोडवेज बसों से सफर तय किया।

स्थानीय रोडवेज डिपो की ओर से करीब 99 रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है। इसमें सर्वाधिक बसें दिल्ली रूट पर संचालित की जाती है। त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न हो, इसे लेकर दिल्ली रूट पर करीब 50 बसों का संचालन किया गया। वहीं भैया दूज पर स्थानीय रूटों पर बसों की संख्या में बढ़ोत्तरी की गई थी। दिल्ली रूट के बाद सबसे व्यस्ततम रूट बरेली का माना जाता है। परिवहन निगम का ध्यान बरेली रूट पर सबसे ज्यादा रहा। खासकर निगम ने इन रूटों पर कोई दिक्कत न हो, इसका प्रबंध कर दिया था। बरेली रूट समेत, पूरनपुर, बीसलपुर, दियोरिया, बरखेड़ा, टनकपुर रूटों पर संख्या बढ़ाकर बसें चलाई गई थी। मगर, तमाम दावों के बीच यात्रियों को सुगम यात्रा नसीब नहीं हो सकी। भैया दूज के दिन तमाम यात्री चौराहों पर बसों का इंतजार करते देखे गए थे। भैया दूज पर चली भीड़ से रोडवेज डिपो ने एक दिन में 17 लाख से अधिक की इनकम की, वहीं 12 हजार से अधिक यात्रियों ने बसों से सफर किया। कुल मिलाकर 18 से 23 अक्टूबर तक त्योहारी सीजन के दौरान स्थानीय रोडवेज डिपो ने 1,18,21,205 रुपये की कमाई की। वहीं 69924 यात्रियों ने रोडवेज बसों से सफर तय किया। रोडवेज डिपो ने त्योहारी सीजन के दौरान सर्वाधिक कमाई 19 अक्टूबर को की। इस दिन रोडवेज डिपो ने 27 लाख से अधिक का राजस्व प्राप्त किया था। साथ ही 14 हजार से अधिक यात्रियों ने रोडवेज बसों में सफर तय किया था। रोडवेज डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक विपुल पाराशर ने बताया कि भैया दूज पर रोडवेज को 17 लाख से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। हालांकि अभी भी बसों में भीड़ चल रही है। अभी यात्रियों के घर वापसी का दौर चल रहा है।

त्योहार निपटा, अब वापस होने लगे कामगार

जनपद से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए बाहरी प्रदेशों में काम करने के लिए जाते हैं। जो सिर्फ त्योहार के दौरान ही अपने घर आते हैं। इस बार भी दिवाली पर बढ़ी संख्या में बाहरी प्रदेश दिल्ली, पंजाब, मुंबई, हरियाण, हिमाचल समेत कई प्रदेशों से त्योहार मनाने के लिए घर आए थे। दिवाली और भैया दूज निपटने के बाद अब बसों में वापस लौटने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। रोडवेज की ओर से अभी बसों में करीब एक सप्ताह तक भीड़ भाड़ अधिक होने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद फिर सब सामान्य हो जाएगा।

- **भैया दूज के दूसरे दिन भी भरी रहीं रोडवेज बसें**
- **दिल्ली रूट पर करीब 50 बसों का संचालन किया गया**

शहर में आज

- अमरिया ब्लॉक में भाकियू भानु की मासिक पंचायत सुबह 11 बजे।
- श्रीबालाजी नीम करौली धाम कांशीराम ईदगाह में हवन दोपहर 1 बजे।
- मझोला रामलीला मैदान पर चल रहे दिवाली मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम7 बजे से।
- चरक का कुआं स्थित बालाजी मंदिर में छप्पन भोग दर्शन और मंगला आरती शाम 5 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

सर्प डंस से युवक की तबीयत बिगड़ी

बीसलपुर, अमृत विचार :ग्राम रसिया खानपुर निवासी यामीन शुक्रवार सुबह गन्ने की फसल की सिंचाई करने गया था। जहां उसे सांप ने डस लिया। कुछ देर में उसकी हालत बिगड़ गई। शोर सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण पहुंचे और उसे घर पहुंचाया। परिजन उसे सीएचसी लाए। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

दूधिया मंदिर रोड पर गुल रही बिजली

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर की बिजली व्यवस्था के हालात सुधरने पर नहीं आ रहे हैं। शुक्रवार को भी दिन में कई बार बिजली गुल हुई। सुबह से ही बिजली की आंख मिचौली बनी रही। दोपहर करीब एक बजे दूधिया मंदिर रोड व आसपास के इलाके की बत्ती गुल हो गई। इसे टीम भेजकर सुधरवाया गया। इस दौरान उपभोक्ता बिना बिजली परेशान हुए।

महिलाओं-छात्राओं को किया जागरूक

पीलीभीत, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5 .0 के तहत शुक्रवार को थाना स्तर पर गठित टीमों ने स्कूल कॉलेज, रेलवे स्टेशन, रोडवेज समेत अन्य व्यस्ततम इलाकों में जागरुकता अभियान चलाया। महिलाओं और छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर व शासन की महिलाओं के स्वावलंबन को चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पंपलेट भी बांटे गए।

असम चौराहे पर बन रहे फ्लाईओवर से हादसे का डर

निर्माण के चलते कई जगह उखड़ी सड़क, जगह-जगह रखे मटेरियल, रोशनी के नहीं इंतजाम, संकेतांक भी नहीं लगाए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: असम चौराहे पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर का काम सुस्त गति से चल रहा है। वहीं, निर्माण कार्य के दौरान बरती जा रही लापरवाही भी राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। आलम ये है कि दिन में उड़ता धूल का गुबार परेशानी बढ़ा रहा है। वहीं, रात में हादसे का डर सताता है। निर्माणाधीन होने के चलते कई जगह पत्थर रखे हुए हैं तो खोदाई भी है। इसके बावजूद कोई रेडियम रिफ्लेक्टर और संकेतांक नहीं लगे हुए हैं। जिससे चालक को कब संभलना है, इसका आकलन नहीं हो पा रहा। हालांकि जिम्मेदार इसे लेकर गंभीरता बरतते हुए सुधार की बात कह रहे हैं। फिलहाल तीन साल बाद भी असम चौराहों से गुजरने वाले राहगीरों की मुश्किल कम नहीं हो सकी है।

बता दें कि शहर के बाहरी इलाके में यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए असम चौराहे पर फ्लाई ओवर निर्माण को मंजूरी मिली थी। सवा सौ करोड़ से अधिक की लागत से 1.08 किमी लंबे फ्लाईओवर का निर्माण 2022 से कराया जा रहा है, जो तीन साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। हालांकि शुरुआत से ही इसके निर्माण कार्य में कोई न कोई बाधा लगती रही और समय बढ़ता रहा। शुरूआती दौर में पहले अतिक्रमण रोड़ा बना और फिर लंबा समय बिजली की लाइन बीच में आने से काम गति नहीं पकड़ सका। बिजली लाइन और पोल शिफ्टिंग कराई गई तो जैसे -तैसे रफ्तार मिल सकी। इसके बाद असम चौराहा स्थित पुलिस चौकी फ्लाईओवर निर्माण की राह में रोड़ा बन गई। इसे हटाने को लेकर कार्यदायी संस्था की ओर से प्रयास किए जाते रहे और करीब डेढ़ साल बाद चौकी हटाई जा सकी। काम की सुस्त गति बनी रही। अभी भी काम पूरा नहीं हो सका है। इधर, राहगीरों की दिक्कतों की बात करें न तो सुरक्षित सफर को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं, न ही अन्य बिंदुओं पर। बड़े-बड़े पत्थर रखे हुए हैं। लोहे का सामान भी है। इसके अलावा कई जगह खोदाई भी कराई गई है। जिससे हादसे का डर भी बढ़ गया है। असम हाईवे के इस हिस्से पर 24 घंटे ट्रैफिक रहता है। रात के वक्त बड़े वाहन फर्राटा भरते हैं। ऐसे में लापरवाही भी सामने आ रही है। अधिकांश जगहों पर कोई रेडियम रिफ्लेक्टर तक नहीं है। रोशनी के पर्याप्त इंतजाम न होने के चलते अगर कोई खोदवाकर छोड़े गए हिस्से की तरफ वाहन ले जाए तो उसे अचानक ब्रेक लगाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा दिन के वक्त धूल का गुबार परेशानी बना रहता है। जिससे स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। पानी का छिड़काव भी नहीं कराया जा रहा है। कई बार अचानक आंख में धूल पहुंचने से बाइक सवार हादसे का शिकार होने से बच रहे हैं। मगर, इसका इंतजाम कराने पर भी कोई ध्यान नहीं है। इसके अलावा दोनों तरफ की सड़क पर दिन में कई बार जाम लगता है और राहगीर परेशान रहते हैं।

असम रोड पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास पसरा अंधेरा। ● अमृत विचार

असम रोड से बरेली की तरफ निर्माणाधीन हिस्से में जाम में फंसे वाहन।

- वाहन ले जाते वक्त चालकों को नहीं लग पा रही भनक, अचानक ब्रेक लेने पर खतरा

काम तेजी से कराया जा रहा है। रेडियम टेप लगाए गए हैं। कई बार वाहन चालक उन्हें पत्थरों से छुड़ाकर ले जाते हैं और अपने वाहनों पर लगा लेते हैं। पूर्व में भी इसे कई बार दोबारा भी लगवाया गया है। इसे गंभीरता से दिखवाएंगे और ऐसा कुछ है तो उसका तत्काल सुधार कराया जाएगा।

– **टीके बनर्जी**, प्रोजेक्ट हेड

जनवरी तक काम पूरा करने की तैयारी

त्योहार के चलते लेबर छुट्टी पर चले गए थे। जिसके चलते करीब चार से पांच दिन तक काम बंद रहा। शुक्रवार से श्रमिकों की वापसी भी शुरू हो गई है। अब काम शुरू किया जाएगा। जिम्मेदारों की मानें तो जनवरी 2026 तक इस फ्लाईओवर के काम को पूरा कर दिया जाएगा। इसे लेकर तेजी से बकाया काम को निपटाने पर जोर दिया जा रहा है। चूंकि इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन अधिक है। इसके चलते भी काम में कुछ देरी मानी जा रही है। फिलहाल सब कुछ ठीक -ठाक रहा तो आगामी तीन माह में काम पूरा कराने पर जोर है।

निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास इस तरह उड़ती है धूल। ● अमृत विचार

हेड कांस्टेबल पर हमला करने वाले दो गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार: हेड कांस्टेबल पर हमला करने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पुलिसकर्मी की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को चालान कर दिया है। ड्यूटी के दौरान पुलिस कर्मी पर हमले की खबर से विभाग में हड़कंप मच गया था, अधिकारियों के निर्देश पर सख्त कार्रवाई हो रही है।

सदर कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल राम बदन यादव की ओर से 22 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसमें बताया था कि वह 21 अक्टूबर को पवन मोबाइल ड्यूटी पर थे। ठेका चौकी क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। मोहल्ला शेर मोहम्मद के एक स्कूल के पास पहुंचते ही कुछ लोग झगड़ा कर रहे थे। उन्होंने समझाने का प्रयास किया तो उन पर हमला कर दिया गया। मारपीट की गई। चोट में हो रहे दर्द की वजह से उस वक्त कोतवाली नहीं जा सके थे। पुलिसकर्मी पर हुए हमले को लेकर रिपोर्ट दर्ज कर टीम कार्रवाई में जुट गई। इस मामले में मोहल्ला मोहम्मद वासिल निवासी टिंकू, छोटा चौक निवासी बब्लू को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

वाहन का इंतजार कर रहे युवक की हादसे में मौत

संवाददाता, बीसलपुर

- रोजगार की तलाश में हरिद्वार जाते समय गई युवक की जान

अमृत विचार: बरेली में हुए सड़क हादसे में बीसलपुर के युवक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो चीख पुकार मच गई।

बता दें कि मोहल्ला दुर्गाप्रसाद की सूरज कॉलोनी निवासी टिंकू शर्मा(27) गुरुवार को घर से हरिद्वार में रह रहे भाई छोटेलाल शर्मा के पास जाने के लिए निकला था। बरेली में हाईवे पर हरिद्वार जाने वाले वाहन की तलाश में खड़ा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें उसकी मौत हो गई। चालक वाहन लेकर मौके से भाग गया। बरेली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया। परिवार में चीख पुकार मची रही। मृतक के भाई रिंकू ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर टिंकू काम की तलाश कर रहा था। इसी सिलसिले में वह हरिद्वार जा रहा था। इसके अलावा नगर के मोहल्ला दुबे निवासी सजल अपने साथी सार्थक के साथ बाइक से पीलीभीत जा रहे थे। दिवाली गांव के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। जिसमें वह घायल हो गए। उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया।

पुलिस पर रिपोर्ट न लिखने का आरोप

पीलीभीत ,अमृत विचार: ग्रामीण पर बांके से हमला करके उसकी उंगली काट दी गई। घटना की शिकायत थाना जहानाबाद पुलिस से की गई, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करना तो दूर मेडिकल परीक्षण तक नहीं कराया। पीड़ित ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम मीरपुर निवासी अर्जुन कश्यप ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया 22 अक्टूबर को शाम 8 बजे वह गांव में ही देवस्थान पर बैठे हुए थे, वहां पर कई अन्य लोग भी थे। इस दौरान गांव के कुछ लोग लाठी -डंडे लेकर वहां आ गए और गाली देनी शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने हमला कर पिटाई कर दी। एक आरोपी ने बांके से वार कर दिया ।

एक साथ दिखेंगे नेपाल - पीलीभीत के वॉलंटियर्स

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दोनों देशों के कम्युनिटी वॉलंटियर्स के बीच होगा अनुभवों का आदान-प्रदान
- पीटीआर के सप्त सरोवर पर आज होगा कार्यक्रम, नेपाल के वन अफसर भी रहेंगे मौजूद

अमृत विचार : पड़ोसी देश नेपाल और पीलीभीत के कम्युनिटी वॉलंटियर्स शनिवार को एक प्लेटफार्म पर दिखेंगे। दोनों देशों के कम्युनिटी वॉलंटियर्स वन्यजीव संरक्षण एवं जंगल के बाहरी क्षेत्र में होने वाले संघर्ष की रोकथाम को लेकर अपने-अपने अनुभवों को एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। टाइगर रिजर्व प्रशासन और विश्व प्रकृति निधि ने कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं विश्व प्रकृति निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) भारत के सहयोग से 25 को बराही रेंज स्थित सप्त सरोवर पर एक कार्यक्रम का आयोजन करने का जा रहा है। यह कार्यक्रम मुख्यतः प्रकृति के संरक्षण और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए कम्युनिटी वॉलंटियर्स को सशक्त एवं सक्षम बनाने पर आधारित है। कम्युनिटी वॉलंटियर्स वन्यजीवों और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों की निगरानी करने के साथ वहां के निवासियों, जैव विविधता एवं पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए वन विभाग के बीच सेतु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हीं कम्युनिटी वॉलंटियर्स को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पड़ोसी नेपाल के कम्युनिटी वालंटियर्स, जिसमें इको डेवलपमेंट कमेटी एवं जंगल से जुड़े अन्य स्वयंसेवी आदि हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में नेपाल के कुछ वन अफसर भी शामिल होंगे। वहीं इस कार्यक्रम में स्थानीय स्तर से इको डेवलपमेंट कमेटियों के अध्यक्ष व सदस्य, ग्राम प्रधान एवं अन्य स्वयंसेवी शामिल रहेंगे। सप्त सरोवर पर होने वाले इस कार्यक्रम में नेपाल और पीलीभीत के कम्युनिटी वॉलंटियर्स एक प्लेटफार्म पर एकत्र होकर वन्यजीव संरक्षण एवं जंगल क्षेत्र से बाहर होने वाले वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम को लेकर अपने-अपने कार्यों एवं अनुभवों को साझा करेंगे। टाइगर रिजर्व प्रशासन और विश्व प्रकृति की ओर से कार्यक्रम की सभी तैयारियां शुक्रवार देर शाम तक पूरी कर ली गई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम वन्यजीव संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी के महत्व को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

पीटीआर का सप्त सरोवर।

खून से सनी बनियान को जंगल में जलाया

संवाददाता, माधोटांडा

- माधोटांडा पुलिस ने दोस्त की हत्या करने वाले तीनों आरोपियों को पकड़ा

अमृत विचार: दावत में डीजे पर डांस करते समय हुई कहासुनी के चलते युवक की हत्या करने वाले तीनों आरोपियों को माधोटांडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए अपनी खून से लथपथ बनियान जंगल में जला दी थी और मृतक का मोबाइल भी तोड़कर फेंक दिया था। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम महाराजपुर की रहने वाली नीलू राय पत्नी दुलाल राय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था, उनका पुत्र मोहन राय 22 अक्टूबर को गांव के ही अचिंत गाईन के बच्चे के जन्मदिन की दावत में गया था। वहां पर डीजे पर डांस करते समय गांव के ही संजय सरदार से कहासुनी हो गई। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने मामला शांत कराया और फिर उनका बेटा घर आ गया। इसके बाद आरोपी संजय अपने दो साथी जयदेव राय और रंजीत मंडल के साथ रात 111:30 बजे पहुंचा और उसके बेटे को दूसरी जगह दावत में ले जाने की बात कहकर साथ ले गया। इसके बाद से वह लापता हो गए।दूसरे दिन उसका शव सिंचाई विभाग के नाले से बरामद हुआ था।

पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराया। वहीं, शुक्रवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की बात कबूल कर ली। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि बहाने से ले जाकर तीनों आरोपियों ने गला दबाकर मोहन राय की हत्या की थी। इस दौरान उनकी बनियान पर खून लग गया था। साक्ष्य छिपाने के लिए उन्होंने नजदीक के जंगल में खून से लथपथ बनियान जला दी थी और मृतक का मोबाइल भी तोड़कर फेंक दिया था। उसे भी बरामद कर लिया है। पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

माधोटांडा पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी। ● अमृत विचार

मेले में युवक की पिटाई का वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पूरनपुर में आयोजित रामलीला मेले में गुरुवार रात भीड़ ने एक युवक को महिला से छेड़छाड़ करने के आरोप में पीट दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। महिला की ओर से शिकायत नहीं की गई है।

बताते हैं कि पूरनपुर रामलीला मैदान में गुरुवार रात भीड़ के बीच एक युवक पर महिला से अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। कुछ लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। युवक को भीड़ से छोड़ाकर कोतवाली ले आई। इंस्पेक्टर पूरनपुर पवन पांडेय ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है।

तमंचा समेत दो बदमाश पकड़े

बरखेड़ा, अमृत विचार : दरोगा नवीन कुमार गुरुवार शाम पुलिस बल के साथ पैदल कर रहे थे। इस दौरान बर्रामऊ से प्रतापडांडी मार्ग पर दो युवक पुलिस को देख भागने लगे। संदेह होने पर उन्हें कुछ ही दूरी से पकड़ लिया। आरोपियों ने अपना नाम बर्रामऊ गांव निवासी नितिन कुमार और दीपक कुमार बताया। उनके पास से दो तमंचे और कारतूस बरामद किए। आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

हत्यारोपी को जेल नहीं भेजने पर भड़के परिजन, किया हंगामा

मृतक के घर के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इनकार एसपी के आश्वासन पर माने घर वाले

अमृत विचार: दोस्त के साथ गए युवक की हत्या के मामले में हिरासत में लिए गए नामजद आरोपी को जेल न भेजने पर परिवार वाले आक्रोशित हो गए। उन्होंने अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया और हंगामा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। तब जाकर परिजन बमुश्किल मानें और अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस हत्याकांड से जुड़े साक्ष्य जुटाने को दौड़ भाग करती रही।

हजारा थाना क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर के निवासी रवि (32) पुत्र सत्यप्रकाश को मंगलवार शाम 6:30 बजे गांव का हीरालाल घर से बुलाकर ले गया था। देर रात तक वापस न आने पर परिवार वाले चिंतित हो गए और खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। दूसरे दिन बुधवार सुबह गांव के बाहर तिराहे के पास गन्ने के खेत में रवि का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने मृतक की मां ऊषा देवी की ओर से नामजद रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया था। उससे पुलिस पूछताछ कर रही है। इधर, शुक्रवार को भी आरोपी को जेल न भेजने पर परिवार वाले भड़क गए और अंतिम संस्कार रोक दिया। इसकी जानकारी मिलने पर खलबली मच गई। काफी संख्या में ग्रामीण परिवार के समर्थन में जमा हो गए। पुलिस ने परिवार वालों से वार्ता की और कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद शुक्रवार दोपहर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। तब जाकर पुलिस ने राहत महसूस की।

ससुराल आ रहे युवक की संदिग्ध हालात में मौत

बीसलपुर, अमृत विचार: पत्नी को लेकर ससुराल आ रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

- विवाद के बाद पत्नी को रास्ते में छोड़कर जाते समय गई जान

बता दें कि जनपद शाहजहांपुर के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम भटपुरा निवासी विवेक कुमार (25) की ससुराल बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शिवपुरी नवदिया में है। वह शुक्रवार को पत्नी को छोड़ने के लिए आए थे। ससुराल आने से पहले ही रास्ते में किसी बात को लेकर पत्नी से उसकी कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर वह वह पत्नी को रास्ते में ही छोड़कर चले गए। बताते हैं कि गांव करमापुर माफी में एक ईंट भट्टे के पास पहुंचकर सड़क किनारे खेत में लगे ट्यूबवेल पर पानी पीने लगे और कुछ देर बाद ही अचानक तबीयत बिगड़ गई। युवक को निगोही के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

निजी अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की मौत

संवाददाता, माधोटांडा

- ऑक्सीजन लगाकर रेफर करने की थी तैयारी, पुलिस-स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची
- डॉक्टर और स्टॉफ पर लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने जमकर किया हंगामा

अमृत विचार: प्रसव के बाद एक महिला की निजी अस्पताल में मौत हो गई। गुस्साए परिजन ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उन्हें पुलिस ने शांत कराया। सीएचसी अधीक्षक ने पहुंचकर मामले की जानकारी की।

क्षेत्र के ग्राम पिपरिया संतोष की निवासी देवकी देवी (28) पत्नी हरपाल सिंह गर्भवती थीं। उन्हें प्रसव के लिए गुरुवार रात को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उन्होंने एक पुत्री को जन्म दिया। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ती गई और शुक्रवार सुबह मौत हो गई। प्रसूता की मौत के बाद परिवार के लोग गुस्सा गए। डॉक्टर और अन्य स्टाफ की लापरवाही व गलत इलाज से मौत होने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनका आरोप था कि अस्पताल के जिम्मेदार अपनी लापरवाही छिपाने के लिए ऑक्सीजन लगाकर प्रसूता को पीलीभीत रेफर करने की तैयारी कर रहे थे। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। मामला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों तक पहुंचा।जिसके बाद दोपहर में सीएचसी अधीक्षक पूरनपुर डॉ.मनीष राज शर्मा भी टीम के साथ पहुंच गए और जानकारी की। अग्रिम कार्रवाई के लिए परिवार से शिकायत मांगी गई। बताते हैं कि इसी पूर्व में एक मौत के बाद हुए हंगामे पर कई दिन तक अस्पताल बंद रहा। इसके बाद दूसरे नाम से संचालन शुरू कर दिया गया था। चर्चा ये भी रही कि अभी भी अवैध तरीके से अस्पताल संचालित किया जा रहा है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिलने पर टीम के साथ गए थे। मामले की जांच कराई जा रही है। दोनों पक्षों को नोटिस दिए गए हैं। जिसमें 24 घंटे में अपना पक्ष रखने को कहा गया है।

प्रसूता की मौत के बाद निजी अस्पताल के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

कार पलटने से युवक की मौत, छह घायल

बरखेड़ा क्षेत्र में ज्योराह कल्यानपुर गांव के पास हुआ हादसा

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचारः पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर अनियंत्रित कार तीन बार पलटते हुए नाले के किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। कार सवार उत्तराखंड के नानकमत्ता गुरुद्वारा जाने के लिए निकले थे। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंचे परिवार वाले बेहाल हो गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है।

मूल रूप से सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला छोटा खुदागंज निवासी प्रेम कुमार (27) की ससुराल बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम आमडार में है। भैयादूज पर्व पर वह ससुराल आए थे। दिनभर ससुराल में रुकने के बाद उनका उत्तराखंड के नानकमत्ता जाने की प्लानिंग बनीं। रात करीब 10 बजे सभी कार में सवार होकर निकले। पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर ज्योराह कल्यानपुर गांव के पास मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर पलट गई। बताते हैं कि कार की स्पीड बेहद तेज थी और तीन बार सड़क पर पलटती हुई नाले किनारे लगी रेलिंग से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़।

- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, घायल मेडिकल कॉलेज रेफर

अनियंत्रित कार पलट गई थी। हादसे में एक युवक की मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। कार की रफ्तार तेज होने से हादसा होने की बात निकलकर आ रही है।
– प्रमेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर बरखेड़ा

बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में प्रेम कुमार की मौत हो गई थी। जबकि आमडार गांव निवासी सूरज (19), सुरेश (35), सोमपाल, दशशंकर, मोहन स्वरुप और क्योलड़िया बरेली के ग्राम मैथी के निवासी जितेंद्र घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को सीएचसी बरखेड़ा भेजा गया, वहां प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। परिवार वाले भी अस्पताल पहुंच गए। पर्व के दिन पति की मौत से मृतक की पत्नी बेसुध हो गई। सभी का रोकर बुरा हाल रहा।

दस दिवसीय रामलीला मेला शुरू

पीलीभीत, अमृत विचारः विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भमौरा में 10 दिवसीय श्री रामलीला मेला शुरू हुआ। इसमें आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कई वर्षों से मेला कमेटी द्वारा इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का उद्घाटन मुड़िया नूरानपुर के महंत हनुमान दास , बूम टनकपुर के महंत विष्णुदास, पूरनपुर से महंत राघवदास, बाबा जयरामदास, बरखेड़ा विधायक महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद ने संयुक्त रूप से कराया। इस दौरान विचार भी व्यक्त किए और मेले की परंपरा के महत्व बताए। इस मौके पर गंगाप्रसाद लोधी , दिनेश वर्मा, एडवोकेट जीएल वर्मा, मेला संचालक अखिलेश शर्मा, मेला अध्यक्ष रूपलाल उर्फ पप्पू, मेला अध्यक्ष केसरीलाल, मेला कमेटी कोषाध्यक्ष हरेंद्र कुमार, पूर्व प्रधान श्यामाचरण आदि मौजूद रहे।

रामचरितमानस पाठ को आरती कर दिया विश्राम

बाबा की आरती करते महंत नितिन गुप्ता व मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- धूमधाम से मनाया जा रहा बाबा के दरबार का 19वां वार्षिकोत्सव

अमृत विचारः शहर के मोहल्ला मोहतसिम खां स्थित श्री संकट मोचन बालाजी महाराज घाटे वाले बाबा के दरबार का 19 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसमें रामायण पाठ को भव्य आरती के साथ विश्राम दिया गया।

बता दें कि गुरुवार को रामचरितमानस पाठ की शुरुआत हुई थी। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और रामचरितमानस पाठ कर पुण्य लाभ अर्जित किया। शुक्रवार को इसे विश्राम दिया गया। महंत नितिन गुप्ता ने बाबा के भजनों का गुणगान किया। भक्तों ने अपने व परिवार के लिए मनौतियां मांगी। महंत ने बताया कि 25 अक्टूबर की शाम छप्पन भोग दर्शन के बाद बालाजी की भव्य मंगला आरती की जाएगी। 26 अक्टूबर रविवार को श्री बालाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा शहर में निकाली जाएगी। 27 अक्टूबर को 108 कन्याओं का भोज, बालाजी बाबा का भंडारा संपन्न कराया जाएगा। 28 अक्टूबर मंगलवार को श्रीबालाजी महाराज का भव्य शक्ति दरबार सजाया जाएगा। इस मौके पर अंचल गुप्ता अनुकल्प गुप्ता , शोभित, सुनील गंगवार, दीपांश, वैभव, अतीत, नीरज, जसवंत, प्रशान्त, अमित, आशीष, संजीव गुप्ता आदि सेवक मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से दंपती घायल

तिलहर, अमृत विचारः थाना रोजा क्षेत्र के गांव रमापुर निवासी दंपती शुक्रवार दोपहर हाईवे पर सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब पति धीरज अपनी पत्नी मोनी को मायके से लेकर घर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, दोनों बाइक से लौट रहे थे कि हाईवे स्थित बिलहरी मोड़ के पास करीब दोपहर तीन बजे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों घायल हो गए। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को सीएचसी तिलहर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर रेफर कर दिया।

बाढ़ से बर्बाद हुई फसलों का नहीं मिला मुआवजा

संवाददाता, बीसलपुर

- बीसलपुर तहसील पहुंचकर हीरापुर दुही के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन, मुआवजा दिलाने की मांग

अमृत विचारः बारिश के बाद बने बाढ़ के हालात सामान्य हुए समय बीत चुका है। प्रशासन की ओर से सर्वे कराकर मुआवजा भी दिया गया।

मगर, अभी भी कई ग्रामीणों का आरोप है कि वह वंचित रह गए। ग्राम हीरापुर दुही के कई ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बाढ़ में नष्ट हुई फसलों का अभी तक कोई मुआवजा नहीं मिला है। वह मुआवजे की आस में भटक रहे हैं। कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। अधिकारियों के साथ ही ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद को मांग पत्र भेजा है।बता दें कि पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद गत माह बाढ़ के हालात बन गए थे। बीसलपुर क्षेत्र में देवहा नदी उफनाई और आसपास के तमाम गांवों के साथ ही हीरापुर दुही गांव में भी बाढ़ का पानी घुस गश्या था। ग्रामीणों के अनुसार उनकी फसलों को काफी नुकसान हुआ। बाढ़ से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा लेने के लिए वह लंबे समय से चक्कर लगा रहे हैं। किसान नेता देव स्वरूप पटेल के आग्रह पर 11 सितंबर को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने ग्राम हीरापुर दुही पहुंचकर बाढ़ से फसलों की हुई क्षति का जायजा भी लिया था और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे। आरोप है कि इसके बाद भी फसलों का मुआवजा नहीं मिल सका। समस्या से परेशान होकर कई ग्रामीण शुक्रवार को तहसील पहुंचे और प्रदर्शन कर विरोध जताया। ग्रामीणों के शिष्ट मंडल ने एसडीएम नागेंद्र पांडे से मुलाकात की और उन्हें अपनी समस्या बताई। एसडीएम ने बाढ़ पीड़ितों को बाढ़ से नष्ट हुई फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर रामप्रताप गंगवार, अनिल कुमार, पीयूष कुमार, मनीष कुमार, सुरेश कुमार, भजनलाल, रमेश गंगवार, महेंद्र पाल आदि किसान थे। इधर, किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने गांव पहुंचकर इसे लेकर स्थिति जानी और आश्वासन दिया है।

बीसलपुर तहसील में विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

प्रेमी के शादी से मना करने पर युवती ने दी थी जान

बरेली, अमृत विचार : किला छावनी में किराए के मकान में रहने वाली पूजा ने अपने प्रेमी के शादी करने से इन्कार करने और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से तंग होकर फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। पूजा के पति ललित मिश्रा की तहरीर पर किला थाना पुलिस ने प्रेमी भांजे समेत चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाराबंकी के अमोली कला, थाना रामनगर निवासी ललित मिश्र ने बताया कि वह मौजूदा समय में कंपाउंड थाना, वेव सिटी लालकुआं, गाजियाबाद में रह रहे हैं। आरोप है कि उनकी पत्नी पूजा मिश्र का उसके सगे भांजे मढ़िया, थाना पिसावा, सीतापुर निवासी आलोक मिश्रा के साथ लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह पूजा को गुमराह कर आठ माह पहले भगा ले गया। पूजा के साथ आलोक दो-दो माह स्थान बदल-बदल कर रहता था।

मथुरा –छपरा अनारक्षित पूजा स्पेशल ट्रेन से मिलेगी यात्रियों को राहत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रेलवे ने छठ पूजा को देखते हुए एकहरी यात्रा को किया संचालन
- समय सारिणी जारी, जनपद के लोगों की भी राह हुई आसान

अमृत विचार : छठ पूजा को देखते हुए रेलवे ने मथुरा -छपरा अनारक्षित पूजा स्पेशल गाड़ी का संचालन एकहरी यात्रा के लिए करने का निर्णय लिया है। जिसका लाभ जनपद के यात्रियों को भी मिल सकेगा। इस ट्रेन में साधारण द्वितीय / शयनयान श्रेणी के 14 और एसएलआर के 2 समेत कुल 16 कोच लगाए जाएंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक इज्जतनगर संजीव शर्मा ने बताया कि रेलवे प्रशासन द्वारा त्योहारी सीजन एवं छठ महापर्व पर यात्रियों की मांग को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल द्वारा अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से 05066 मथुरा छावनी-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचालन 25 अक्टूबर को एकहरी यात्रा के लिए किया जाएगा। जिसमें 05066 विशेष गाड़ी मथुरा से 23.50 बजे और दूसरे दिन हाथरस सिटी से 00.29 बजे, कासगंज से 01.35 बजे, बदायूं से 02.50 बजे, बरेली जंक्शन से 03.45 बजे, बरेली सिटी से 04.10 बजे, इज्जतनगर से 04.30 बजे, भोजीपुरा से 04.50 बजे, पीलीभीत से 05.35 बजे, पुरनपुर से 07.00 बजे, मैलानी से 08.00 बजे, लखीमपुर से 08.45 बजे, सीतापुर से 09.40 बजे, बुड़वल से 11.25 बजे, गोण्डा से 13.05 बजे, मनकापुर से 13.37 बजे, बस्ती से 14.37 बजे, खलीलाबाद से 15.15 बजे, गोरखपुर से 16.10 बजे, कप्तानगंज से 17.15 बजे, रामकोला से 17.42 बजे, पड़ौना से 18.02 बजे, थावे से 19.45 बजे, दिघवड़ा दुबौली से 21.12 बजे, मशरख से 21.34 बजे प्रस्थान कर छपरा 22.45 बजे पहुंचेगी। वापसी में 05065 छपरा-मथुरा छावनी विशेष गाड़ी का संचलन 28 अक्टूबर को एकहरी यात्रा के लिए किया जाएगा। जिसमें 05065 विशेष गाड़ी छपरा से 20.00 बजे, मशरख से 21.02 बजे, दिघवड़ा दुबौली से 21.24 बजे, थावे से 23.25 बजे और दूसरे दिन पड़ौना से 00.52 बजे, रामकोला से 01.14 बजे, कप्तानगंज से 01.42 बजे, गोरखपुर से 02.50 बजे, खलीलाबाद से 03.32 बजे, बस्ती से 04.12 बजे, मनकापुर से 05.12 बजे, गोण्डा से 05.40 बजे, बुड़वल से 07.20 बजे, सीतापुर से 09.10 बजे, लखीमपुर से 10.10 बजे, मैलानी से 10.45 बजे, पुरनपुर से 11.42 बजे, पीलीभीत से 12.45 बजे, भोजीपुरा से 13.42 बजे, इज्जतनगर से 14.02 बजे, बरेली सिटी से 14.25 बजे, बरेली जंक्शन से 14.40 बजे, बदायूं से 15.42 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 16.40 बजे, कासगंज से 17.10 बजे, हाथरस सिटी से 18.10 बजे प्रस्थान कर मथुरा छावनी 19.20 बजे पहुंचेगी।

अधिवक्ताओं की मांग पर अमल की कवायद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पीलीभीत का न्यायिक क्षेत्राधिकार लखनऊ खंडपीठ से जोड़ने पर मिलेगा लाभ
- पिछले साल केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को अधिवक्ताओं ने सौंपा था ज्ञापन

अमृत विचारः जनपद के न्यायिक क्षेत्राधिकार को उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ से जोड़ने की स्थानीय अधिवक्ताओं की मांग पर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने प्रयास किए हैं। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने उच्च न्यायालय प्रयागराज में इस मामले को प्रस्तुत किया है।

बता दें कि जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट की अगुवाई में जनपद के अधिवक्ताओं ने बीते वर्ष जुलाई में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को ज्ञापन दिया था। इसमें कहा था, जनपद का उच्च न्यायालय का न्यायिक क्षेत्राधिकार यहां से 600 किमी की दूरी पर प्रयागराज में है। पीलीभीत से लखनऊ की दूरी 300 किलोमीटर से भी कम है। उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ से पीलीभीत को जोड़ दिया जाए तो जन सामान्य को काफी लाभ होगा। जिले की सीमा से मिले हुए जनपद लखीमपुर खीरी का न्यायिक क्षेत्राधिकार पहले से ही उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ से है। लखनऊ प्रदेश की राजधानी भी है। ज्यादातर लोगों का लखनऊ तक आना-जाना लगा रहता है। पीलीभीत से लखनऊ आने-जाने में धन और समय दोनों बहुत कम खर्च होगा। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को यह भी बताया था कि जनपद के न्यायिक क्षेत्राधिकार को लखनऊ खंडपीठ से जोड़ने की मांग को लेकर बीते कई दशक से जिले के अधिवक्ता हर शनिवार को हड़ताल पर भी रहे हैं। उच्च न्यायालय के न्याय मूर्तियों को कई बार ज्ञापन सौंप गए थे। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने अधिवक्ताओं की भावना से केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को व्यक्तिगत रूप से मिलकर अवगत कराया। केंद्रीय विधि मंत्री ने इस मामले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने जितिन प्रसाद को पत्र भेजकर इस आशय की जानकारी दी है। राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पत्र की प्रतिलिपि जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट को भी गत दिनों भेजी है।

प्रत्येक नागरिक को कम खर्च में सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। जनपद के न्यायिक क्षेत्राधिकार को उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ से जोड़ने पर जिले के नागरिकों को कम खर्च पर बेहतर न्याय उपलब्ध हो सकेगा। – धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, अध्यक्ष जिला संयुक्त बार एसोसिएशन पीलीभीत

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002
फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली
डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली
डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448
डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

ब्रीफ न्यूज

फंदे से लटका मिला युवक का शव

सिंगाही, अमृत विचार : थाना व कस्बा सिंगाही स्थित अपनी ससुराल में रह रहे बागपत जिले के थाना सिंघावली अहिर क्षेत्र के गांव गौसपुर निवासी एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका बरामद हुआ। गांव गौसपुर निवासी इंतजार अली ने बताया कि उनका बेटा तालिब (30) करीब 12 साल से सिंगाही कस्बे में रह रहा था। इसी बीच चार साल पहले उसने शादी कर ली और यहीं अपना मकान बना लिया। बताते हैं कि तालिब ने दो दिन पहले फोन पर बात करते हुए अपने पिता को कुछ लोगों से जान का खतरा बताया था। इसके बाद गुरुवार की शाम करीब छह बजे पुलिस से घटना की सूचना मिली कि उनके बेटे का फंदे पर लटका शव बरामद हुआ है। मौत की खबर आते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक के पिता ने तालिब की पत्नी पर दो अन्य साथियों के साथ मिलकर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया है।

घर में घुसकर दीवार गिराई, बांका से किया हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव बाजपेई निवासी शकील ने बताया कि शाम करीब 6 बजे वह घर पर बैठा भोजन कर रहा था। तभी गांव के ही कय्यूम, मुसाहिद, उजूल, नयूम, सुगमा पत्नी कयूम व सालिया पत्नी मुसाहिद अचानक उसके घर में घुस आए। आरोप है कि विपक्षियों ने ईंट की दीवार गिरा दी और लात-घूंसों से हमला शुरू कर दिया। इसी दौरान सालिया ने धारदार बांका से वार कर शकील का दाहिना कान काट दिया। घटना के बाद पीड़ित बेहोश हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में युवक ने खाया जहर, मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव भूलनपुर निवासी शांती देवी ने बताया कि उनका बेटा विजय (35) लखनऊ में रहकर मजदूरी करता था। दीवाली के दिन वह लखनऊ से महेवागंज स्थित अपनी ससुराल पत्नी अर्चना के पास गया था। रुपये के लेनदेन को लेकर लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि शुक्रवार की सुबह पत्नी ने अपने मायके वालों के साथ मिलकर उनके बेटे को कोई जहरीला पदार्थ खिला दिया। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ओवरब्रिज लगभग पूरा, फिर भी धक्के खाते लोग

शासन स्तर से हरी झंडी का इंतजार पर टोल कटौती जारी, निर्माण फरवरी 2021 में हुआ था शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: फरधान में रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण पूरा हो गया है, लेकिन यह कब तक चालू होगा, इसकी जानकारी स्थानीय अफसरों को नहीं है। वहीं ओवरब्रिज चालू न होने के बाद भी फरधान में टोल प्लाजा पिछले करीब डेढ़ महीने से चालू है। वाहनों को ओवरब्रिज के नीचे से निकलने में गड्ढों से होकर जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके बाद भी टोल कटौती होने से लोग खुद को छला हुआ महसूस कर रहे हैं, लेकिन इस ओर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कोई ध्यान नहीं है।

पीलीभीत बस्ती नेशनल हाईवे पर जिले की दो रेलवे क्रासिंग पर पिछले चार साल से ओवरब्रिज का निर्माण हो रहा है। इसमें एक फरधान की रेलवे क्रॉसिंग है और दूसरी रजागंज गोला के बीच स्थित जंगल वाली क्रासिंग। फरधान रेलवे क्रासिंग पर 1350 मीटर लंबे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य फरवरी 2021 में करीब 70 करोड़ की लागत से शुरू हुआ था, जिसे मई-2022 में पूरा होना था। मगर, बीच में कोरोना के कारण निर्माण कार्य पर ब्रेक लग गया। कोरोना काल खत्म होने के बाद फिर से निर्माण शुरू हुआ। अब यह निर्माण पूर्ण हो चुका है। ओवरब्रिज के ऊपर डॉमर डालकर सड़क भी तैयार कर दी गई है, लेकिन अभी तक इस पर से वाहनों का आवागमन शुरू नहीं किया गया है। बताते हैं कि शासनस्तर से हरी झंडी का इंतजार है। वहीं टोल प्लाजा चालू कर दिया गया है, जिससे वाहन स्वामियों को जेबें कट रही हैं तो रोडवेज का किराया बढ़ने से हर यात्री पर भी इसका बोझ पड़ गया है। ओवरब्रिज चालू न होने से इसका खामियाजा दैनिक यात्रियों से लेकर पीलीभीत बस्ती पर आवागमन करने वाले मुसाफिरों को भुगतना पड़ता है।

ओवरब्रिज की सड़क भी बन गई। ● अमृत विचार

फरधान रेलवे क्रॉसिंग पर बनकर तैयार ओवरब्रिज। ● अमृत विचार

दिन-रात चलता है यह हाईवे

यह मुख्य नेशनल हाइवे है। इस पर से दिन रात वाहनों को आवागमन रहता है। जिले को जोड़ने वाला यह मुख्य हाइवे है। ओवब्रिज शुरू न होने से लोग परेशान हैं। जिला मुख्यालय पर कोर्ट, कचहरी, स्कूल कॉलेजों और अन्य सरकारी दफ्तरों में जाने वाले लोग यहां जाम में फंसकर रोजाना परेशान होते हैं।

ओवब्रिज चालू न होने से रेलवे क्रॉसिंग से निकलने को मजबूर लोग। ● अमृत विचार

फरधान ओवरब्रिज का काम लगभग पूरा है। अब शासन स्तर से अनुमति मिलने के बाद ही इसे चालू किया जाएगा। वहीं गोला में जंगल वाली क्रॉसिंग पर निर्माण के लिए मेगा ब्लॉक लिया जाना है, जिसकी कागजी कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके बाद रेलवे से मेगा ब्लॉक की अनुमति मिलते ही क्रासिंग पर काम शुरू करा दिया जाएगा। **-शुभ नारायन,** अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी नेशनल हाईवे।

आए दिन लगता है जाम, घंटों परेशान होते हैं लोग

फरधान के ओवरब्रिज का निर्माण पूर्ण होने और गोला जंगल क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण अधूरा होने से मुसाफिरों गत साढ़े चार साल से जाम आदि की समस्याओं को सामना कर रहे हैं। फरधान एवं गोला क्रासिंग पर वाहनों का रास्ता घुमावदार होने के कारण आए दिन हैवी वाहनों के न मुड़ पाने की वजह से जाम लगता है। इसमें जिलेवासियों से लेकर पीलीभीत बस्ती मार्ग पर संचालित अन्य वाहनों से लेकर रोडवेज बस के यात्रियों को घंटो परेशान होना पड़ता है।

बस ने बाइक को टक्कर मारी, तीन लोग घायल

संवाददाता, बेहजम

- बस में फंसकर काफी दूर तक घिसटती गई बाइक

अमृत विचार: गोला-कस्ता मार्ग पर पुलिस चौकी सिकंद्राबाद क्षेत्र में निजी बस ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के दौरान बस में फंसी बाइक काफी दूर तक घिसटती चली गई।

कस्बा सिकंद्राबाद निवासी सहीम अली (26), साइवे (20) और शाहिद (30) एक ही बाइक पर सवार होकर गोला सामान खरीदने जा रहे थे। कस्बे से कुछ दूर आगे गोला से कस्ता की तरफ जा रही निजी बस से आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। इस दौरान बाइक बस में फंसकर कई मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे के बाद मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को पीएचसी में भर्ती कराया है। सिकंदराबाद चौकी इंचार्ज आशीष सहरावत ने बताया कि पुलिस ने सड़क से बस और बाइक हटवा कर बस को अपने कब्जे में ले लिया है। बस चालक फिलहाल फरार है। बस गोला से कस्ता की ओर जा रही थी, तभी सिकंदराबाद से पहले यह हादसा हुआ।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

चूरा टांडा के एक घर में दिखा मगरमच्छ

- वन विभाग की टीम ने पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा
- टीम ने मगरमच्छ को पकड़कर सरयू नदी में छोड़ दिया

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव चूरा टांडा के एक घर में मगरमच्छ घुस आया और आंगन में चहलकदमी करने लगा। मगरमच्छ देख परिवार वालों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को पकड़कर सरयू नदी में छोड़ दिया।

गांव चूरा टांडा निवासी राजकुमार के घर में कहीं से एक मगरमच्छ घुस आया। इसी बीच परिवार के सदस्यों की नजर आंगन में घूम रहे मगरमच्छ पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए। घर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर तमाम ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और वन रेंज लुधौरी को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर वन दरोगा राजेंद्र प्रसाद वर्मा, सुभाष रंजन, घनश्याम जायसवाल आदि के साथ मौके पर पहुंच गए। वन विभाग ने कड़ी मशक्कत कर उसे पकड़ लिया। बाद में उसे मोटे बाबा स्थित सरयू नदी में ले जाकर छोड़ दिया गया।

घर में चहलकदमी करता मगरमच्छ। ● अमृत विचार

श्री विष्णु महायज्ञ के लिए कलश यात्रा आज

केशवापुर, अमृत विचार: 25 से 31अक्टूबर तक होने वाली सात दिवसीय इस महायज्ञ में दूर-दूर से संतों व भक्तों की टोलियां शामिल होने खेतौसा पहुंचेंगी। वैदिक आचार्य पंडित संदीप पांडे बेलगवां सीतापुर के वैदिक मंडल द्वारा मंत्रोच्चार से अनुष्ठान सम्पन्न कराया जाएगा। सातों दिन दोपहर एक से चार बजे और शाम 8 बजे से 12 बजे तक रासलीला का मंचन वृंदावन की रासलीला पार्टी द्वारा किया जाएगा, जिसमें मंच संचालन पंडित अनुराग मिश्रा करेंगे। आयोजक मंडल ने भक्तों से कलश यात्रा में शामिल होने की अपील की है। क्षेत्रवासियों के सहयोग से होने वाली महायज्ञ में कल रविवार को वेदी रचना और अग्नि प्राकट्य कराया जाएगा।

मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

संवाददाता, मझगईं

- एक लाख 45 हजार की नकदी और पांच लाख के जेवर ले गए चोर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के धर्मापुर गांव में रिश्तेदारी में गए परिवार के घर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये की चोरी कर ली।

गांव धर्मापुर निवासी सुधीर सिंह उर्फ बबलू अपने पूरे परिवार के साथ 21 अक्टूबर को रिश्तेदारी में गए थे। बबलू सिंह अपनी ससुराल गोला, जबकि उनके भाई लोकेश और राहुल सिंह ससुराल सीतापुर गए थे। घर पर ताला लगा था। 23 अक्टूबर को परिवार वापस लौटा तो घर का मुख्य दरवाजा और अलमारी के ताले टूटे मिले। घर में रखा सामान बिखरा था। राहुल सिंह ने बताया कि घर से करीब 1,45,000 नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी हुए हैं। बहन बालिया सिंह के 35,000, दुकान के 15,000 व मौरंग-सीमेंट के लिए रखे 95,000 रुपये शामिल थे। बबलू सिंह की पत्नी की सोने की चेन, अंगूठी, मंगलसूत्र, नथ, झुमका, मांग बेंदी, पायल, लोकेश सिंह की पत्नी की दो सोने की चेन, तीन अंगूठियां, मंगलसूत्र और राहुल सिंह की सोने की अंगूठी आदि जेवर चोरी गए। पुलिस ने निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। ग्रामीणों का आरोप है कि 19 अक्टूबर को ऊषा देवी के घर हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तहरीर में फेरबदल कर आरोपी का नाम हटा दिया था। पुलिस पहली घटना को गंभीरता से लेती तो दूसरी चोरी नहीं होती।

मामा के घर आए युवक की हादसे में मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बाइक पर सवार जिला सीतापुर के थाना तंबौर क्षेत्र के गांव देवपालपुर निवासी राम गोपाल के 18 वर्षीय बेटे रिंकू की मौत हो गई। वह अपने मामा के घर आया था। रिंकू गुरुवार को खमरिया थाना क्षेत्र के गांव पइकापुरवा मामा के यहां बाइक से आया था। रात को वह टहलने की बात कहकर बाइक से चला गया। बताते हैं कि ऐरा पुल पर सामने से आ रही बाइक से उसकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में रिंकू की मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भेजा और परिवार वालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे रिश्तेदार और परिजन रिंकू का शव देख बिलख पड़े।

मारपीट के बाद महिला को गायब करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- पुलिस कार्रवाई न होने पर नाराज परिजनों ने डीएम से की शिकायत

अमृत विचार: थाना सिंगाही के गांव सुनौना निवासी एक महिला रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका है। आरोप है कि ससुरालियों ने पहले उसकी पिटाई की। बाद में कहीं गायब कर दिया। महिला की मां ने सिंगाही पुलिस को तहरीर दी, आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पीड़िता ने डीएम को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना पदुआ के गांव कट्टौहा निवासी चंद्रकली ने बताया कि उसने अपनी पुत्री राजकुमारी की शादी लगभग 30 वर्ष पूर्व पप्पू पुत्र महादेव निवासी ग्राम सुनौना थाना सिंगाही के साथ की थी। 9 अक्टूबर 2025 को दामाद पप्पू ने पुत्री राजकुमारी की जमकर पिटाई, जिसके बाद वह घर से चली गई। इसके बाद से राजकुमारी लापता है। उसने ने थाना सिंगाही में शिकायत दी थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप लगाया कि पप्पू, उसके पिता महादेव, महादेव का पुत्र अजात और बहू बनवारी पुत्री महादेव ने मिलकर उसकी पुत्री को हत्या कर कहीं गायब कर दिया है। पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज पीड़ित मां डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल से मिली और शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

लापता युवक का छठे दिन खेत में मिला शव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: खीरी थाना क्षेत्र में लापता चल रहे एक युवक का शव छठे दिन धान के खेत से बरामद हुआ है। मृतक के परिजनों ने हत्या कर शव खेत में डाले जाने की आशंका जताई है।

शुक्रवार को कुछ ग्रामीण अपने खेतों की तरफ गए थे। इसी बीच उनकी नजर गांव रजवापुर व अमृतापुर के बीच स्थित एक धान के खेत में पड़े शव पर पड़ी। शव पड़े होने की सूचना पर तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को बाहर निकाला। शव की पहचान थाना खीरी के गांव घसीपुरा निवासी इरशाद खान (22) पुत्र रईस खान के रूप में हुई। सूचना मिलते ही परिवार के लोग रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। बवाल की आशंका को देखते हुए पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

मृतक इरशाद के परिजन आरिफ खान, इश्तियाक आदि ने बताया कि निकटी गांव निवासी छुट्टन और धर्मराज कुछ दिन पहले घासीपुरा में खेत जोतने ट्रैक्टर से आए थे। तेज रफ्तार ट्रैक्टर से इरशाद खान की दीवार टूट गई थी, जिसमें छुट्टा और धर्मराज ने मुआवजे के तौर पर रुपये देने का वादा किया था। परिजन बताते हैं की इरशाद 19 तारीख को निकटी गांव अपने दीवार के रुपये लेने गया था, लेकिन वह घर वापस नहीं आया। परिवार के लोग उसकी इधर-उधर तलाश कर रहे थे। आरोप है कि हलका इंचार्ज ने शव परिजनों को देखने तक नहीं दिया। परिवार वालों ने हत्या कर शव खेत में फेंके जाने का आरोप लगाया है। एसओ निराला तिवारी ने बताया शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से दो युवकों की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मितौली क्षेत्र के गांव रतहरा निवासी 45 वर्षीय रामपाल को गुरुवार की दोपहर खेत की सिंचाई करते समय सांप ने डस लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। उधर पलिया क्षेत्र के गांव रननगर निवासी 46 वर्षीय बूटा सिंह की गुरुवार की शाम सांप के डसने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं।

कार-ई रिक्शा की भिड़ंत, 6 लोग घायल

औरंगाबाद, अमृत विचार: बरबर-मोहम्मदी मार्ग पर जहान नगर मोड़ के पास बरबर की तरफ से जा रही तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा में सवार छह लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर एक घायल को डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया। तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। औरंगाबाद चौकी पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को सीएचसी पसगवां भिजवाया, जहां से बरबर निवासी घायल गुड्डू को शाहजहांपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी है। घायल राशिद निवासी बरबर, गुड्डू, राम सागर निवासी मढ़ैय्या, रिया शर्मा और कुसुम देवी निवासी मढ़ैय्या का सीएचसी में उपचार किया गया।

संपत्ति विवाद में बेटों ने पिता और परिजनों पर किया हमला

संवाददाता, मझगईं

- बहू और छोटे बेटे को भी लगी गंभीर चोटें

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के भानपुरवा गांव में संपत्ति विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। पिता और बेटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि बेटों ने अपने ही पिता और परिवार के अन्य सदस्यों पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

गांव भानपुर निवासी शालिनी देवी ने बताया कि उनके ससुर मेडई पुत्र शिवचरन लाल सुबह लगभग 7 बजे धान डाल रहे थे। इसी बीच उनके जेठ कमलेश और संजय अपने हिस्से के विवाद को लेकर आए। जब पिता ने कहा कि अभी वे जीवित हैं और बाद में हिस्सा बांट देंगे, तो दोनों बेटों ने गालियां देते हुए मेडई पर हमला कर दिया। बीच-बचाव के लिए शालिनी देवी आईं, लेकिन आरोपियों ने उन्हें भी पीटने का प्रयास किया। बाद में उनके पति लालता प्रसाद ने हस्तक्षेप किया, लेकिन उन्हें लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा गया। संजय ने लालता प्रसाद के सिर पर भी लाठी मारी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। शालिनी देवी ने बताया कि कमलेश और संजय दबंग किस्म के लोग हैं। पीड़ित महिला ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा है। प्रभारी निरीक्षक राजबू राव ने बताया कि जांच की जा रही है।

आस्था

नहाय खाय के साथ छठ पूजा आज से, नदी-तालाबों के घाटों पर होती रहीं तैयारियां

खुदे पड़े गोकर्ण तीर्थ पर छठ पूजा में होगी दिक्कत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण के कारण तीर्थ परिसर खुदा पड़ा है। छठ पूजा नहाए, खाए शनिवार 25 अक्टूबर से शुरू होगा। गोकर्ण तीर्थ की सीढ़िया और बाहर बने प्लेटफार्म पर बैठकर छठ पूजा के व्रतधारी पूजा करते हैं. लेकिन इस बार तीर्थ परिसर में खुदाई हो जाने के कारण अब तीर्थ के अंदर की सीढ़ियां ही बची हुई है। बाहर का प्लेटफार्म खुदा हुआ है, जिससे छठ पूजा करने वालों को दिक्कतें होगी।

महिलाओं ने छठ पूजा की तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार 25 अक्टूबर को पवित्रीकरण स्नान से भगवान सूर्य की आराधना का दौर शुरू होगा, जबकि गोकर्ण तीर्थ के घाट पर साफ सफाई तो कराई गई है किंतु गोकर्ण तीर्थ में अभी तक जल नहीं भरा गया है। पूजा करने वाले स्थान पर चारों तरफ मलवा फैला हुआ है। छठ पूजा में कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सरोवर या नदी के तट पर भगवान सूर्य की आराधना की जाती है। नगर के पौराणिक शिव मंदिर परिसर स्थित तीर्थ के कुंड में अभी जल की निकासी कराई गई है पर अभी भी गंदगी पड़ी हुई है और कुंड में जल भी नहीं भरा गया है। इस व्रत की तैयारी शुरू हो गई है।

छठ पेजा में पहले दिन शनिवार 25 अक्टूबर को लौकी का पकवान, 26 अक्टूबर रविवार को चावल का मीठा पकवान, तीसरे दिन 27 अक्टूबर सोमवार को निर्जला व्रत और उसी दिन तीर्थ के जल के किनारे डूबते सूर्य को अर्घ्य, चौथे दिन मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाएं पुत्र, पति की सलामती की कामना करते हुए व्रत का पारण घर दान कुंड करेंगी। घाटों पर बैठने, पूजा करने की व्यवस्था न होने के चलते इस बार श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ सकती है। 27 अक्टूबर सोमवार शाम व्रती महिलाओं के साथ काफी संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे सूर्य को अर्घ्य देने के समय पर एकत्रित होते हैं। ऐसे में घाट पर बैठने की पर्याप्त व्यवस्था न होने से उन्हें निराश हो सकती है। प्रशासन की वैकल्पिक व्यवस्था न होने से इस बार दिवाली पर भी रात में पौराणिक शिव मंदिर में दर्शन, पूजन, जलाभिषेक करने, दीप जलाकर आरती करने वालों को मोबाइल और टोर्च की रोशनी में जाना पड़ा था।

गोला के गोकर्ण तीर्थ में स्वच्छ जल भरने के लिए की गई सफाई।

36 घंटे का निर्जला छठ व्रत आज से शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: छठ पूजा के लिए लिए 36 घंटे का निर्जला छठ व्रत शनिवार सुबह से शुरू होगा। इस व्रत में महिलाएं पूरे 36 घंटे तक निर्जला उपवास करेंगी। 27 अक्टूबर को पहला अर्घ्य अस्त होते सूर्य को और अगले दिन 28 अक्टूबर को उदय हो रहे सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत पूरा होता है।

शहर के सेठ घाट समेत जिले भर में छठपूजा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। घाटों पर बेदी बनाने के लिए भक्त जुटे रहे। इस व्रत में भगवान सूर्य और छठ मैया की पूजा की जाती है। इस व्रत में दो बार सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। छठ की शुरुआत का पहला दिन नहाय-खाय से शुरू होता है। व्रती महिलाएं पवित्र नदी या तालाब में स्नान करती हैं और शुद्धता के साथ व्रत की शुरुआत करती हैं। इस दिन सादा और सात्विक भोजन किया जाता है। दूसरे दिन खरना होता है। खरना के दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखती हैं। शाम को मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से खाना बनाकर पूजा होती है। सूर्य देव की आराधना के बाद प्रसाद पहले खुद छठ व्रत करने वाली महिलाएं ग्रहण करती हैं। इसके बाद अगले दिन सुबह सूर्य अर्घ्य तक व्रती जल और अन्न का पूर्ण त्याग करती हैं। तीसरा दिन छठ व्रती महिलाएं शाम को नदी या तालाब में खड़ी होकर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देती हैं। 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा होता है। व्रती महिलाएं जल में डूबकी लगाकर सूर्य को अर्घ्य देती हैं और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु की कामना करती हैं।

छठ पूजा के लिए बेदी बनाता युवक।

सेठ घाट पर तैयारियों में जुटे रहे लोग

लखीमपुर के सेठ घाट पर सदर विधायक योगेश वर्मा, प्रशासन और छठपूजा आयोजन समिति के प्रयासों से पूजन के लिए सफाई कार्य किया है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रकाश की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला पंचायत को सौंपी है। नदी में मगरमच्छ के मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग की टीम पहुंची। रेंजर अभय मल्ल ने बताया कि दो नावों की व्यवस्था की है जो पूजा के समय वहीं चक्कर लगाती रहेगी।

त्यौहार के बाद खुले स्कूल, दफ्तर और दुकानें

गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार: धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के त्योहार के बाद शुक्रवार को स्कूल, दफ्तर और दुकाने खुलने पर बाजार और सड़कों पर चहल-पहल रही। त्योहार के सीजन में मिठाई, फल की दुकानें खुली लेकिन अधिकतर दुकानें बंद रही। स्कूल, कॉलेज भी बंद ही रहे, जिससे नगर में भीड़ भाड़, चहल-पहल कम रही। शुक्रवार को नगर की सभी प्रमुख सड़कों पर सुबह से देर शाम तक भीड़भाड़ बनी रही। छुट्टियों के बाद लोग जरूरत का सामान खरीदने के लिए बाजारों में निकले, जिससे चहल-पहल बढ़ गई। हालांकि शुक्रवार को स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कुछ कम रही। शिक्षकों का कहना है कि त्यौहार पर कुछ लोग रिश्तेदारियों में, अपने गांव गए हैं, सोमवार से बच्चों की संख्या सामान्य हो जाएगी।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गाली देने से मना किया तो युवक को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला प्रकाशनगर में गुरुवार शाम कुछ युवकों ने एक युवक को बीच रास्ते पर लात-घूंसे और लकड़ी की बट से पीटकर घायल कर दिया। मोहल्ला प्रकाशनगर निवासी राहुल तिवारी ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब 6 बजे वह अपने घर से चंद्राणी अस्पताल के पास स्थित वर्मा के मकान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मोहल्ला दुर्गापुरी निवासी मोहित कश्यप, नन्हू, अक्कू व एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लात-घूंसों और लकड़ी की बट से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रचार वाहन से पराली न जलाने की अपील

मैगलगंज, अमृत विचार : पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता घटने और वातावरण प्रदूषित होने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने जागरूकता की मुहिम तेज कर दी है। प्रचार वाहन के जरिए कृषि विभाग पराली न जलाने की अपील कर रहा है। क्षेत्र में जगह-जगह जागरूकता होल्डर लगाये जा रहे हैं। साथ ही किसानों को डी कंपोजर भी वितरित किए गए। इस मौके पर विषय वस्तु विशेषज्ञ जगत प्रकाश, राशिद खान सहित कृषि विभाग के तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

ढखेरवा में नहर से अज्ञात शव बरामद

निघासन, अमृत विचार : पढुआ थाना इलाके में शुक्रवार सुबह शारदा नहर से एक महिला का शव बरामद किया गया। महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। ढखेरवा चौकी इंचार्ज भूपेंद्र सिंह के मुताबिक मल्लबेहड़ पुल के पास नहर में शव उतराता हुआ देखा गया था। शव को नहर से बाहर निकलवाया गया लेकिन शिनाख्त नही हो सकी है। शव के दाहिने हाथ पर टैटू बना है। साथ ही ब्रिजुलेश कुमार, दिनेश कुमार लिखा हुआ है। इलाकाई लोगों से शिनाख्त की कोशिश नाकाम होने के बाद शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

कोटवारा गांव में रामकथा आज से

बिलहरी, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव कोटवारा मे श्रीराम कथा की शुरुआत 25 अक्टूबर को कलश यात्रा निकालकर की जायेगी। आयोजक भाजपा नेता मिथिलेश मिश्र, राहुल मिश्र ने बताया कि राम कथा के लिये 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकाली जायेगी। राम कथा शाम को छ बजे से रात दस बजे तक होगी। 25 अक्टूबर से कथा शुरू होकर 31 अक्टूबर को समापन पर कन्या भोज, भंडारा होगा।

धान में नमी के नाम पर किसानों का उत्पीड़न

वीडियो वायरल, केंद्र पर 14 अक्टूबर से मंडी में पड़ा है किसानों का धान, अब तक नहीं हुई तौल

संवाददाता, मैगलगंज (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: मैगलगंज मंडी समिति में धान खरीद व्यवस्था को लेकर किसानों में गहरा आक्रोश है। जमुनिया निवासी किसान चंदन दुबे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उनका गुस्सा साफ झलक रहा है। वायरल वीडियो में किसान बता रहा है कि वह 14 अक्टूबर से मैगलगंज मंडी में धान लेकर खटिया डालकर रह रहा है, लेकिन उसका धान नहीं तौला जा रहा, जबकि साठगांठ वालों की तौल हो रही है। अन्य किसानों का कहना है कि नमी के नाम पर अधिकारियों और मंडी कर्मियों द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है, जिससे छोटे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। कई किसानों का धान दो हफ्ते से अधिक समय से मंडी में पड़ा है, लेकिन अब तक उसकी तौल नहीं की गई है।

जमुनिया निवासी किसान चंदन दुबे ने मंडी समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि हमारा 100 क्विंटल धान 14 अक्टूबर से मंडी में रखा हुआ है, लेकिन अब तक तौला नहीं गया। हमारे बाद आए कई किसानों का धान तौला जा चुका है। हमने कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हमारी दीपावली भी मंडी में ही बीत गई। चंदन दुबे ने आरोप लगाया कि मंडी कर्मी कुछ बिचौलियों को संरक्षण देकर उन्हीं के धान को प्राथमिकता से तौल रहे हैं, जबकि वास्तविक किसानों को नमी और गुणवत्ता के नाम पर रोका जा रहा है। यही हाल मंडी में मौजूद अन्य किसानों का है, जिनका धान हफ्तों से मंडी में पड़ा सड़ने के कगार पर है। किसानों ने बताया कि मंडी में पारदर्शिता का अभाव है।

- **बिचौलियों को संरक्षण देने और मंडी कर्मियों पर पक्षपात के आरोप**

किसानों से नमी की मनमानी रिपोर्ट बनाकर उनका धान अस्वीकार कर दिया जाता है, जबकि उन्हीं शर्तों के बावजूद कुछ चुनिंदा लोगों का धान आसानी से खरीदा जा रहा है। किसानों ने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कराने की मांग की है ताकि मंडी समिति में व्याप्त अव्यवस्था और पक्षपात पर रोक लगाई जा सके। मंडी धान खरीद के एमआई बृजेश सिंह का कहना है मंडी में धान दिवाली से पहले काफी आ चुका है जिसमें थोड़ी बहुत नमी थी तो उसको सुखाने के लिए डाला गया था। ज्यादा लेवर न आने के कारण धान की तौल अभी नही हो पा रही है और मंडी में काफी धान होने के कारण जगह भी नहीं हैं।

मैगलगंज मंडी में नमी अधिक बताकर नहीं तौला गया धान। ● अमृत विचार

मैगलगंज मंडी में सुखाने के लिए फैलाया गया धान। ● अमृत विचार

गुरुवार को 95 क्विंटल धान ट्राली में भरकर मंडी लाया था। धान में 15 प्रतिशत नमी थी, लेकिन किसी भी सेन्टर इंचार्ज ने धान लेने की हामी नहीं भरी। धान खरीद केन्द्र के प्रभारी ने बताया है मंडी में जगह होने पर आपका धान तौल लिया जाएगा।

-जोधा कलेर, किसान।

किसान चंदन दुबे का कहना है कि वह 14 अक्टूबर से मंडी में धान लेकर रह रहा है। धान में कुछ नमी थी, जो 17 तारीख को मानक के अनुसार हो गई थी, लेकिन धान की तौल नहीं की। आरोप लगाया कि साठगांठ वाले लोगों का तौला जा रहा है।

-चंदन दुबे, किसान गांव जमुनिया

मैंगलगंज के किसान चंदन दुबे के वायरल वीडियो की जानकारी नहीं है। उन्होंने सेंटर पर जो बैनर लगवाए हैं, उन पर अपना मोबाइल नंबर भी अंकित कराया है। यदि कोई किसान शिकायत करता है तो तत्काल उसकी समस्या का समाधान किया जा रहा है। मानक के अनुरूप धान होने पर तत्काल तौल की जा रही है। कहीं कोई समस्या नहीं है।

-नमन पांडेय, डिप्टी आरएमओ

सीएनडीएस को निर्माण का प्रोजेक्ट देने पर रोक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान लापरवाही मिलने पर दिए कार्रवाई के निर्देश**

अमृत विचार: सीडीओ अभिषेक कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इसमें कार्यदाई संस्था सीएनडीएस की लापरवाही सामने आने पर सीडीओ खफा हो गए। उन्होंने संस्था के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखने के निर्देश देते हुए कहा कि अब सीएनडीएस को जिले में कोई प्रोजेक्ट न दिया जाए। सीडीओ ने कहा कि निर्माण कार्यों में लेटलतीफी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संस्था सीएनडीएस कस्तूरबा स्कूलों के उच्चीकरण का काम कर रही है। पता चला है कि कस्तूरबा गांधी उच्चीकरण में ईसानगर, कुंभी, गोला, पलिया, फूलबेहड़ व रमियाबेहड़ का काम काफी पिछड़ा हुआ है। सीडीओ ने बताया कि तीन से चार करोड़ की लागत में एक स्कूल उच्चीकृत होना है। निर्धारित समय में यह भवन बनने के बाद हैंडओवर होना था, लेकिन अभी तक काम ही अधूरा है। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए अन्य कार्यदायी संस्थाओं को भी चेतावनी दी कि जो भी प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उन्हें निर्धारित समय में पूर्ण कराएं। उधर, डीपीआरओ विशाल सिंह ने बताया कि पंचायत विकास योजना तैयार की जाती है। ग्राम पंचायतें इस योजना में ज्यादातर नाली, सड़क आदि के प्रस्ताव शामिल करती हैं। डीपीआरओ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास विभाग, बाल विकास सहित अन्य विभागों से कहा कि ग्राम पंचायतों में अपनी योजनाओं को लेकर जो भी काम कराना चाहते हैं, उनके प्रस्ताव भी दे सकते हैं। इन्हें जीपीडीपी में शामिल किया जाएगा।

चकमार्ग से अवैध कब्जा हटाने की मांग

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : मोहम्मदी तहसील के गांव पड़री निवासी मुर्तिजा देवी ने गांव के ही कुछ लोगों पर चक मार्ग पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। उसने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर अवैध कब्जा हटवाए जाने की मांग की है। पीड़ित महिला ने बताया कि अवैध कब्जा होने के कारण उन्हें अपने खेत में आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। फसल की बुवाई और कटाई में भी काफी दिक्कतें होती हैं।

घटिया ईंटों से खड़ंजा निर्माण ग्रामीणों ने रुकवाया कार्य

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत भानपुर के मजरा राजपुर में जिला पंचायत से कराए जा रहे खड़ंजा निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने घटिया सामग्री उपयोग किए जाने का आरोप लगाते हुए रुकवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण में मानक के विपरीत पीली और डोम मिक्स ईंटों का प्रयोग किया जा रहा था। ग्रामीणों ने डीएम से जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए निर्धारित मजबूत ईंटों की जगह पीली और काफी कमजोर ईंटें लगाई जा रही थीं। साथ ही रास्ते को समतल किए बिना ही खड़ंजा लगाया जा रहा था। इस मार्ग से अक्सर गन्ना लदी ट्रालियां गुजरती हैं, ऐसे में कमजोर खड़ंजा जल्द ही टूट जाएगा। ग्रामीणों ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर मानकों की जांच कराने और कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने ठेकेदार को चेतावनी दी है कि यदि कार्य मानक और गुणवत्ता के अनुसार दोबारा शुरू नहीं किया गया, तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान रामदेव, अमरजीत, अदृश्य, रामचंद्र, नितेश, डीके, नीरज, शेखर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

उधर ठेकेदार रफी ने बताया कि ऐसा हो नहीं सकता, अगर घटिया ईंटें लगी हैं तो उन्हें वापस किया जाएगा। खड़ंजा का पूरा भुगतान ईंट भट्ठे को किया गया है और कार्य जिला पंचायत योजना के तहत कराया जा रहा है।

खड़ंजे में लगाई जा रही ईंट का लगा ढेर।

- **आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन कर उठाई जांच की मांग**

छेड़छाड़ के विरोध पर दी जान से मारने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खीरी क्षेत्र के एक गांव में शौच करने खेतों की तरफ गई महिला से एक युवक ने छेड़छाड़ कर उसे खेत में पकड़कर ले जाने की कोशिश की। महिला के विरोध करने पर अभद्रता कर गाली गलौज की और जान से मार देने की धमकी दी। शोर होने पर आसपास के लोगों के आने पर आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने महिला की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि वह सुबह करबी छह बजे रोज की तरह खेतों की तरफ शौच करने जा रही थी। गन्ने के खेत के पास पहुंचते ही पीछे से गांव का पतराखन आ गया और उसे दबोच कर छेड़छाड़ करने लगा और खींच कर गन्ने के खेत में ले जाने की कोशिश करने लगा। उसके चीखने चिल्लाने और विरोध करने पर आरोपी ने अभद्रता की। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों को आता देख आरोपी जान से मार देने की धमकी देकर मौके से भाग निकला।

घटना की जानकारी पीड़िता ने अपने परिजनों को दी, जिसके बाद पति के साथ थाने पहुंची और पुलिस को तहरीर दी। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, अभद्रता और जान से मारने की धमकी की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस जांच कर रही है।

गोपाष्टमी महोत्सव: गोशाला में सभी गोवंश मिले स्वस्थ

- **लायंस क्लब ने कराया गायों का स्वास्थ्य परीक्षण**

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: श्री धर्मादा समिति गौशाला के 17वें गोपाष्टमी महोत्सव में दूसरे दिन लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने गौ स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन कर सभी 109 गोवंश का परीक्षण कराया है। सभी गोवंश स्वस्थ्य मिले।

स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब नेशनल बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक शारदा कश्यप, विशिष्ट अतिथि उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित कात्यायन के आतिथ्य में गौशाला की सभी 109 गौवंश का परीक्षण किया गया, जो स्वस्थ मिलीं हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि गौ माता की सेवा करने का सौभाग्य सतकर्मों से मिलता है। विशिष्ट अतिथि उप मुख्य चिकित्साअधिकारी अमित कात्यायन ने कहा कि गौ माता को समय समय पर कीडों की दवाई देते रहना चाहिए, साथ ही साल में दो बार खुरपका और मुंहपका के टीके लगाना चाहिए। साल में एक बार गलाघोंटू और लम्पी के टीके भी लगाना चाहिए। इसके साथ स्वच्छता के साथ हरा चारा गौ माता को स्वस्थ रखता है। गोपाष्टमी महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने मुख्य अतिथि शारदा कश्यप, समाजसेवी विमल गुप्ता को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट सम्मानित करते हुए कहा कि गौ माता में 33 कोटि देवताओं का वास होता है। इसलिए गौ माता के आशीर्वाद से सभी मनोरथ पूर्ण हो जाते हैं। यथासंभव गौ सेवा अवश्य करनी चाहिए।

इस मौके पर लायंस क्लब अध्यक्ष संजय बंशल, सचिव नीरज गुप्ता, अतुल अग्रवाल, ललित विश्वास, श्याम राजपूत, राहुल गुप्ता, शिवगोपाल गुप्ता, राजेश पांडे, तरुण शारदा, राजेन्द्र सोनी, रामअवतार यादव, मनोज सक्सेना, धीरज वाजपेयी, रविन्द्र कटियार, श्याम सिंह कुशवाहा, विमलेश वर्मा, विजय मिश्रा, लवकुश अवस्थी, शत्रोहन मिश्रा सहित अनेक गौ सेवक मौजूद रहे।

गोला की गोशाला में गायों का स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

गोपाष्टमी महोत्सव में आज

श्री धर्मादा समिति गौशाला द्वारा मनाये जा रहे गोपाष्टमी महोत्सव में स्व. छोटे लाल दीक्षित स्मृति फाउंडेशन और सृजन फाउंडेशन द्वारा कवि गोष्ठी शाम चार बजे से।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

लखीमपुर खीरी,अमृत विचार: थाना मितौली क्षेत्र में गुरुवार से गायब एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। गांव दतेली कलां निवासी सुहेल (20) पुत्र मुन्ना गुरुवार से लापता था। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन पता न चलने पर शुक्रवार की शाम को उसकी थाना मितौली में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। देर शाम उसका शव गांव के पूरब स्वामी दयाल के खेत के पास बनी मजार के निकट लगे पीपल के पेड़ से लटका देखा गया। शव लटके होने की सूचना पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए और उनमें चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों की संख्या बढ़ाने को दिए टिप्स

बैठक के बाद प्राथमिक विद्यालय परिसर में मौजूद शिक्षक-शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **न्याय पंचायत खंदक के शिक्षकों की केशो की मड़ैया स्कूल में हुई बैठक**

अमृत विचार : शिक्षक संकुल बैठक में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शैक्षिक गुणवत्ता पर चर्चा करते हुए बच्चों की उपस्थिति पर रणनीति बनाई। विकास क्षेत्र सहसवान के संकुल खंदक की मासिक बैठक केशो की मढ़ैया प्राथमिक विद्यालय में हुई।

वरिष्ठ शिक्षिका सुमन लता, माहेश्वरी देवी, पंकज माहेश्वरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित करके बैठक का आरंभ किया। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी एजेंडा के अनुसार पूर्व एआरपी राजन यादव ने बैठक में उपस्थित शिक्षकों को बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के टिप्स दिए। संकुल शिक्षक दीपक साहू, परवेज अनवर, विनीत कुमार, कैलाश चंद्र ने विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए बुनियादी भाषा और संख्या ज्ञान आधारित प्रशिक्षण की गतिविधियों को विद्यालयों में प्रभावी बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर संकुल शिक्षकों के अतिरिक्त मंजू गुप्ता, शशि भाटी, दयाराम सिंह, शिल्पी माहेश्वरी, शिल्पी यादव, आभा, चंद्रकेश, सत्यवीर सहित न्याय पंचायत खंदक के सभी परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क

₹200/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900

पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

धूमधाम से मना बाबा बुड्ढा जी का जन्म दिन

संवाददाता,बांकेगंज

अमृत विचार: बाबा बुड्ढाजी के नाम को समर्पित कस्बे के गुरुद्वारा में शुक्रवार को उनका 419 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। 22 अक्टूबर से शुरू हुए मेले का समापन भव्य लंगर के साथ शुक्रवार की शाम को हुआ।

पंजाब व यूपी के विभिन्न गुरुद्वारों से आए जत्थेदारों ने श्रद्धालुओं को अपने प्रवचनों से निहाल कर दिया। स्थानीय व दूर दराज से आए सभी धर्मों के श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे में मत्था टेककर साधु संतों का प्रवचन सुनकर खुद को निहाल किया। पंजाब से आए जत्था बाबा गुरविंदर सिंह, तरनादल, भाई नंदलाल, पंजाब के गुरुमत विद्यालय श्री सर्वरों बूंगानागली, कथावाचक मनवीर सिंह पोविंड, ढाणी जत्था जोगा सिंह मंगोवालिया पंजाब, कवि श्री जत्था भाई हीरा सिंह पंजाब तथा महंगापुर के राखी जत्था हीरा सिंह, बाबा गुरुनाम सिहं ने सत्संग में शिरकत कर श्रद्धालुओं को अपने प्रवचनों से निहाल कर दिया। हरपाल सिंह ठन्ड ठाडी जत्था पंजाब, मक्खन सिंह दशमेश नगरिया पंजाब, कवि श्री हीरा सिंह हजूरी जत्था महंगापुर तथा महंगापुर के बाबा गुरुनाम सिंह ने श्रद्धालुओं को सबद कीर्तन सुनाकर निहाल कर दिया।

बाबा गुरनाम सिंह ने बाबा बुड्ढाजी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। कवि हीरा सिंह ने उनके कृतित्व पर अनेकों कविताएं पढ़ी। 22 अक्टूबर से खंड पाठ की शुरुआत के साथ ही मेले का शुभारंभ हुआ। 24 अक्टूबर शुक्रवार सुबह दस बजे भोग के साथ लंगर की शुरुआत हुई।

स्थानीय सिख समुदाय के अतिरिक्त दूरदराज के इलाके से भी भक्तगण मेले में शिरकत करने आए थे। श्रद्धालुओं ने बाबा बुड्ढा जी गुरुद्वारे में मत्था टेका तथा लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। तत्पश्चात पंजाब व यूपी के कई गुरुद्वारे से आए जत्थेदारों के प्रवचन सुने। तथा सत्संग का लाभ उठाया। गुरुद्वारा अध्यक्ष मलूकसिंह संधू, जोगा सिंह चहल, गुरुदर्शन सिंह, गुरुमीत सिंह, बलदेव सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में सिक्ख व अन्य समुदाय के लोग मौजूद रहे।

गुरु ग्रंथ साहिब को गुरुद्वारा से सत्संग स्थल ले जाते सेवादार। ● अमृत विचार

ट्रेन के इंजन से टकराकर गाय मरी

गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार: मैलानी से डालीगंज जा रही पैसेंजर ट्रेन 55083 से शुक्रवार को कोंधवा जंगल वाली क्रॉसिंग पर पोल संख्या 170/1 के पास एक गाय इंजन से टकराकर काफी दूर जाकर गिरी, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी पुलिस चौकी इंचार्ज विनोद कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जानकारी मिलने पर भारतीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष अनूप गुप्ता अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ग्राम विकास अधिकारी ललित वर्मा को घटना की सूचना दी और मृत गोवंश का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराने की बात कही। उन्होंने अपने साथियों के सहयोग से गाय का अंतिम संस्कार करा दिया है। नगर अध्यक्ष आशीष सक्सेना, उपाध्यक्ष अमन गुप्ता, मंत्री सुशील गुप्ता, विनय माहेश्वरी, विकास मिश्रा आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बहन को पीटकर किया घायल, चार आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

खुटार, अमृत विचार : भाई ने परिवार के साथ मिलकर दूसरे भाई के घर में रुकी बहन को पीट दिया। जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जनपद लखीमपुर खीरी के थाना नीमगांव के गांव बरुई निवासी राकेश कुमार शर्मा की पुत्री अंशू शर्मा ने बताया 22 अक्टूबर को उसकी मां विमला देवी मायके कस्बा खुटार के गांव हरनाई गई थी। मां भाई रोहनलाल के घर में थी। उसी शाम 7 बजे सगे भाई रामाधीन बेटे मोनू, सुशील और पत्नी राजू शर्मा के साथ आये और घर में घुसकर विमला देवी से गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन लोगों ने पिटाई की। मौके पर मौजूद खीरी के कस्बा भीरा के गांव मुड़िया हेमसिंह निवासी सोनू कुमार बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी पिटाई की।सूचना मिलते ही यूपी 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची। तो उक्त आरोपी पुलिस को देखकर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। बाद में मां विमला देवी को इलाज के लिए खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने गंभीर हालत में मां को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उनका अभी भी इलाज चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दानपात्र से रुपये चुराते युवक को पकड़ा

पुवायां, अमृत विचार : गढ़ी रोड स्थित महाकाल मंदिर में शुक्रवार दोपहर श्रद्धालुओं ने एक युवक को दानपात्र से रुपये निकालते हुए पकड़ लिया। युवक की हरकत देखकर मौजूद लोगों ने पहले उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन जब वह भागने लगा तो लोगों ने पकड़कर उसकी पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। मंदिर में रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दान करते हैं। शुक्रवार दोपहर जब मंदिर में भीड़ कम थी, तभी युवक दानपात्र में हाथ डालकर रुपए निकालने लगा। पास के लोगों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने तुरंत उसे पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें युवक को दानपात्र में हाथ डालते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पुलिस का कहना है कि युवक से पूछताछ की जा रही है और मंदिर प्रबंधन की ओर से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कबीरधाम में 27 को आएंगे मुख्यमंत्री

विधायक और पालिकाध्यक्ष के साथ एसपी, सीडीओ समेत अधिकारियों ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कबीरधाम मुस्तफाबाद में 25 से 27 अक्टूबर तक तीन दिवसीय कबीर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 27 अक्टूबर के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे। इसके मद्देनज़र शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीडीओ अभिषेक कुमार, एसपी संकल्प शर्मा, विधायक अमन गिरि, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, बीजेपी जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, नगर पालिका परिषद गोला चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू शुक्रवार को कबीरधाम आश्रम मुस्तफाबाद पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, सेफ हाउस, पार्किंग, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

कबीर महोत्सव में असंगदेव जन्मोत्सव मनाया जाएगा। शनिवार से शुरू हो रहे महोत्सव का शुभारंभ मंगल कलश यात्रा, ध्वजारोहण और कबीरवाणी के साथ होगा। अंतिम दिन 27 अक्टूबर को असंगदेव जन्मोत्सव समापन दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन के साथ समापन सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसकी सभी तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम लगभग तय होने के बाद शुक्रवार को अधिकारियों ने कबीरधाम में व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए व्यवस्थाएं देखीं और संबंधित विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, मंच और बैठक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। वहीं संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा में तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। एसपी संकल्प शर्मा ने सुरक्षा के दृष्टिगत रूट डायवर्जन, हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक की व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और पुलिस बल की तैनाती की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक ड्यूटी प्वाइंट पर पुलिस कर्मियों की स्पष्ट जिम्मेदारी तय की जाए ताकि कार्यक्रम के दौरान कोई व्यवधान न उत्पन्न हो। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संभावित कार्यक्रम के मद्देनजर स्थल का पैदल भ्रमण कर प्रत्येक बिंदु का निरीक्षण किया।

विधायक अमन गिरि और चेयरमैन विजय शुक्ल रिंकू ने आयोजन समिति के साथ मिलकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर सुझाव दिए। इस दौरान सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, पीडी एसएन चौरसिया, एएसपी अमित राय, जिला अग्निशमन अधिकारी, सीओ रमेश कुमार तिवारी सहित आयोजन समिति के सदस्य, जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कबीरधाम मुस्तफाबाद में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तैयारियों की रूपरेखा बनाते गोला विधायक अमन गिरि, नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू और अधिकारी। ● अमृत विचार

तीन दिवसीय महोत्सव में ये होंगे कार्यक्रम

25 अक्टूबर–मंगल कलश यात्रा, ध्वजारोहण और कबीरवाणी के साथ महोत्सव का शुभारंभ

26 अक्टूबर–सुबह आरती के बाद गुरु पूजन एवं जन्मोत्सव महाभिषेक का आयोजन

27 अक्टूबर–असंगदेव जन्मोत्सव समापन दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन के साथ समापन सत्र कार्यक्रम के अंत में सर्वधर्म प्रार्थना, विशाल भंडारा और प्रसाद वितरण किया जाएगा।

हाईवे पर जाम लगा रहे परिजनों पर पुलिस ने चलाई लाठी

संवाददाता, जलालाबाद/शाहजहांपुर

● कार्रवाई न होने से परिजनों ने जलालाबाद में लगाया जाम

अमृत विचार: महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने कांट-जलालाबाद मार्ग पर सोलंकी धर्मकांटा के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। इस दौरान परिवार वालों और अन्य लोगों से हुई नोकझोंक के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज से मृतका के पिता और भाई घायल हो गए। आरोप है कि मृतका के पति और अन्य के खिलाफ पुलिस रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही थी। आरोपी ने मांग की है कि रिपोर्ट दर्ज करके पति और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जाए। जलालाबाद तहसीलदार अनुराग दूबे ने परिवार वालों को समझाया।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव एतमादपुर निवासी महेश ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया उसने 22 वर्षीय पुत्री महिमा की शादी 22 फरवरी 25 को फर्रुखाबाद के शमशाबाद थाना क्षेत्र के गांव साधौ सराए निवासी अर्जुन से की थी। आरोप है कि दामाद दहेज के लिए उसकी पुत्री को प्रताड़ित करता था। दहेज में बाइक की मांग किया करता था। पुत्री को बार- बार दहेज न मिलने पर ताना मारकर प्रताड़ित करता था। उसका आरोप है कि गुरुवार को दामाद उसकी बेटी महिमा को लेकर घर पर आया और मारने पीटने लगा। उसके पुत्र ने बहन को बचाया था। गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे अर्जुन उसकी पुत्री को लेकर शाहजहांपुर रिश्तेदारी में बाइक से लेकर चल दिया। आरोप है कि कांट थाना क्षेत्र में भंडेरी गांव के सामने उसकी पुत्री को चलती बाइक से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोप है दामाद ने साजिश के तहत उसकी बेटी को मार डाला है।

मृतका के पिता से जलालाबाद पुलिस ने कहा कांट थाना क्षेत्र की घटना है, वहीं पर मुकदमा दर्ज होगा। जबकि जलालाबाद कोतवाली में भी केस दर्ज हो सकता था। पोस्टमार्टम के बाद परिवार वालों ने सोलंकी धर्मकांटा के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। प्रभारी निरीक्षक राजीव सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

सड़क हादसों में मजदूर समेत तीन की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले के निगोही, मदनापुर और रोजा क्षेत्र में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं से तीनों परिवारों में कोहराम मच गया है।

निगोही क्षेत्र में सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव कटिया बुजुर्ग निवासी विशाल वर्मा (25) की शादी चार साल पहले निगोही थाना क्षेत्र के गांव सातेपुर निवासी विमला वर्मा से हुई थी। गुरुवार को भैयादूज के अवसर पर वह पत्नी को ससुराल छोड़ने गए थे। पत्नी को छोड़ने के बाद वह बाइक से घूमने के लिए निकल पड़े। अरेली गांव के सामने अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी निगोही ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार विशाल मजदूरी करता था। कुछ माह पहले उसकी पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया था, जिसकी जन्म के तुरंत बाद मौत हो गई थी। विशाल दो भाइयों में बड़ा था और तीन बहनों में इकलौता भाई था। मौत की सूचना पर परिवार में रोना-पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

दूसरा हादसा मदनापुर क्षेत्र में हुआ, जहां गढ़िया रंगीन थाना क्षेत्र के गांव निजामपुर नगरिया निवासी नीरज (40) पत्नी गीता देवी के साथ भैयादूज पर कटरा क्षेत्र के गांव कसरक ससुराल गए थे। पत्नी ने भाई को तिलक लगाने के बाद दोनों रात में बाइक से अपने घर लौट रहे थे। कटरा-जलालाबाद रोड पर मदनापुर क्षेत्र के मोहनिया गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में नीरज गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पत्नी गीता देवी को मामूली चोटें आईं। दोनों को मदनापुर सीएचसी भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। पत्नी गीता देवी ने मायके वालों को सूचना दी, जिनके पहुंचते ही अस्पताल में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और तहरीर मिलने पर कार्रवाई की बात कही।

नीरज फोटो।

विशाल फोटो।

● पत्नी को ससुराल छोड़कर लौट रहे दो युवकों की चली गई जान

● रोजा क्षेत्र में धान मिल जा रहे मजदूर को वाहन ने मारी टक्कर

हादसे में युवक की मौत, दो घायल

सिंधौली/ शाहजहांपुर, अमृत विचार : सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव कटिया बुजुर्ग निवासी वीरपाल हरदोई जिले के पिहानी थाना क्षेत्र में दवा लेने के लिए गए थे। वह शाम को दवा लेकर बाइक से लौट रहे थे। पसगवां क्षेत्र में उनकी बाइक पशुओं से टकरा गई, जिससे वह घायल हो गए। घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया जहां शुक्रवार की सुबह उसकी मौत हो गई। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर हरदोई जिले के पाली थाना क्षेत्र के गांव वारी निवासी सुशील की ससुराल चड़ाई गांव में संतराम के यहां है। शुक्रवार दोपहर सुशील अपने साढू गजेंद्र निवासी हरदोई के साथ बाइक से ससुराल से घर आ रहे थे। गांव खानपुर देहा के सामने वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया।

ठगी में लोको पायलट का भाई गिरफ्तार

संवाददाता, रोजा/शाहजहांपुर

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल की पुलिस ने रोजा पुलिस की सहयोग से एक मकान में छापा मारकर डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी लोको पायलट का भाई है। पश्चिम बंगाल में एक वरिष्ठ नागरिक से तीन करोड़ 86 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है।

रोजा थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया अमन मन्ना निवासी वलभद्र टावर जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल ने साइबर क्राइम थाना आसनसोन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि डिजिटल अरेस्ट कर आरोपियों ने लगभग तीन करोड़ 86 लाख रुपये ठग लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पश्चिम बंगाल की पुलिस आरोपी अभिषेक उर्फ सम्राट सिंह निवासी अहमदनगर थाना रोजा की तलाश रोजा आए और पुलिस से सहयोग मांगा। पुलिस को गुरुवार सुबह 9:30 बजे सूचना मिली कि आरोपी अभिषेक उर्फ सम्राट सिंह मठिया कालोनी में एक व्यक्ति के घर छिपा है। पुलिस ने मकान में दबिश दी तो निकलकर भागा तो पुलिस उसे पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक मोबाइल बरामद किया है। पकड़ा गया आरोपी एक लोको पायलट का भाई हे। पश्चिम बंगाल के स्टील अथॉरिटी सेवानिवृत अधिकारी अमन मन्ना से ठगी की थी। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें लगभग तीन दिनों तक डरा-धमकाकर डिजिटल अरेस्ट किया था और तीन करोड़ 86 लाख रुपये की ठगी की थी। इस ठगी में लोको पायलट का भांजा भी शामिल है।

थाना प्रभारी राजीव कुमार बताया कि पश्चिम बंगाल की पुलिस ने ठगी के मामले एक आरोपी को गिरफ्तार किया और आवश्यक कागज कार्यवाही पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। पश्चिम बंगाल पुलिस उसे अपने साथ ले जाएगी।

पुलिस हिरासत में अभिषेक सिंह उर्फ सम्राट सिंह ● अमृत विचार

● डिजीटल अरेस्ट में तीन करोड़ 86 लाख की थी ठगी, पश्चिम बंगाल पुलिस साथ में ले गई

दो बैंक खातों से 3.77 लाख की ऑनलाइन ठगी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● पुलिस ने एक युवक के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू

अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के सिक्ख टाण्डा त्रिकोलिया निवासी निर्मल सिंह के दो अलग-अलग बैंक खातों से करीब 3 लाख 77 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर थाना लखीमपुर में की है। पुलिस ने एक युवक के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिक्ख टांडा निवासी निर्मल सिंह ने बताया कि उसका मोबाइल फोन 14 सितंबर को लॉक हो गया था। अगले दिन संजय बाजपेई निवासी सेमरिया थाना भीरा उसके पास आया और मोबाइल ठीक करने के बहाने फोन ले लिया। कुछ देर बाद उसने फोन वापस कर दिया, लेकिन मोबाइल पूरी तरह लॉक हो गया। जब पीड़ित ने मोबाइल शॉप पर दिखाया तो बताया गया कि उसका सिम कार्ड खराब हो गया है। बाद में सिम निकलवाने गए तो पता चला कि आधार कार्ड भी लॉक हो गया है। जब 18 सितंबर को बैंक गए तो बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा भीरा से 87,000 रुपये और एचडीएफसी बैंक शाखा गोला से 2,90,000 रुपये केसीसी खाते से ऑनलाइन ट्रांसफर कर निकाले जा चुके थे। यह देख पीड़ित के होश उड़ गए। उसने आरोपी के खिलाफ साइबर थाना में तहरीर दी है। साइबर थाना प्रभारी राम खेलावन राना ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी संजय वाजपेई के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

बहन को घर में और रास्ते में भाइयों को पीटा

खुटार,अमृत विचार: गांव रायपुर पटियात निवासी पुतन खां की पुत्री फूलजहां ने पुलिस को बताया 21 अक्टूबर को वह दरवाजे पर झाड़ू लगा रही थी। तभी रोशन जहां आ गई और उसे गाली देने लगी। विरोध पर उसकी पिटाई की। बाद में मुंह से काटकर घायल कर दिया। शोर सुनकर फूल जहां का भाई आविद खां बचाने आया तो असलम ने उसके भाई के सीने में चाकू मार दिया। इससे भाई लहूलुहान होकर गिर गया। आरोपी की तरफ से शादाब खां, मंगल खां साथ में तमंचा लेकर आ गए और कहा कि मार दो। इसके बाद उसका भाई आविद खां थाने रिपोर्ट लिखवाने आ रहा था। तो रास्ते में बैठे रौनक खां, मंगल खां, शादाब खां, शाहिद खां, असलम खां ने उसके भाई आविद खां और वारिस खां को पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

जहर खाने से मां-बेटे की मौत में नहीं मिली तहरीर

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार: कस्बे के गांव नरायनपुर गंगा में बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद मां द्वारा बेटे और खुद जहर खाने से दोनों की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मामले में अभी तक पुलिस को किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है।

मंगलवार शाम पंकज अग्निहोत्री की पत्नी आरती देवी के पुत्र प्रतीक उर्फ गोलू और पंकज की भांजी सुष्मिता के बीच खिलौनों को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर आरती देवी ने दोनों बच्चों को डांट दिया। इसी बात को लेकर बाद में पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद आरती मायके जाने की जिद पर अड़ गई, लेकिन पंकज ने उसे समझाकर बंडा स्थित रामलीला मेले में जाने की बात कही और घर से चला गया। मेले से लौटने पर पंकज ने देखा कि आरती और बेटा प्रतीक दोनों बेसुध पड़े हैं। उसने तत्काल दोनों को बंडा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। बुधवार सुबह इलाज के दौरान आरती और बेटे प्रतीक की मौत हो गई। मायके पक्ष की ओर से दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की गई थी, जिसके बाद बंडा पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। खबर लिखे जाने तक शवों का अंतिम संस्कार नहीं किया गया था, परिजन तैयारी में जुटे हैं।

थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि किसी भी पक्ष से अब तक तहरीर नहीं दी गई है। फिलहाल दोनों पक्षों में समझौते की बात सामने आ रही है।

रवि की मौत को लेकर पूरे गांव में मातम का माहौल

कुर्रिया कला, अमृत विचार: रोजा थाना क्षेत्र में चाइनीज़ मांझा से गर्दन कटने से हुई रवि वर्मा की मौत के बाद शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव उसके गांव नग्लाजाजू थाना कांट क्षेत्र पहुंचा, जहां मातम का माहौल छा गया। शव देखते ही मां और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वे रवि का नाम लेकर बार-बार बेहोश हो जाती रहीं। ग्रामीणों ने बताया रवि वर्मा होनहार व मिलनसार था। वह फास्ट फूड की दुकान लगाकर परिवार का पालनकरता था। भैयादूज के दिन उसका ससुराल जाने का कोई कार्यक्रम नहीं था, लेकिन अचानक मौत ने उसे वहीं खींच लिया।

मिठास मेले में अजबापुर शुगर यूनिट को मिला पांचवी बार प्रथम स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी/ औरंगाबाद

अमृत विचार: डीसीएम श्रीराम शुगर यूनिट अजबापुर ने शाहजहांपुर में आयोजित मिठास मेला में प्रदेश की सभी चीनी मिलों को पछाड़ कर प्रथम स्थान पाया है। मिल ने यह उपलब्धि पांचवीं बार हासिल की है। मेले में प्रदेश की तमाम चीनी मिलों ने अपने स्टॉल लगाकर गन्ना विकास, कृषि नवाचार और तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन किया। अपर गन्ना आयुक्त एवं निदेशक गन्ना विकास विभाग वीके शुक्ला ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और अजबापुर यूनिट की सराहना करते हुए उपाध्यक्ष पीके सिंह को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मिल के स्टॉल में गन्ना उत्पादन में मशीनीकरण, आधुनिक किस्में, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी तकनीकें प्रमुख आकर्षण रहीं। रोज़ा शुगर मिल को दूसरा और निगोही शुगर मिल को तीसरा स्थान दिया गया। अधिशासी निदेशक आरएल टामक ने कहा कि यह सम्मान हमारे गन्ना किसानों, कर्मचारियों और टीम के निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

महिला समूह की अध्यक्ष को सम्मानित करते अपर गन्ना आयुक्त (विकास) एवं निदेशक वीके शुक्ल।

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर परिसर में शरदकालीन मिठास मेला एवं कृषक वैज्ञानिक विचार संगोष्ठी का शुक्रवार को आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ अपर गन्ना आयुक्त (विकास) एवं निदेशक वीके शुक्ल ने किया। निदेशक वीके शुक्ल ने कहा शोध संस्थान की ओर से कृषक हित में बहुत से कार्य किए जा रहे हैं। किसान भाई वैज्ञानिकों से समन्वय बनाते हुए वैज्ञानिक तकनीकी से गन्ना खेती करें, जिससे कि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि किसान नवीन गन्ना किस्मों को त्वरित गति से बढ़ाने के लिए सिंगल बड विधि द्वारा नर्सरी तैयार करें। शोध परिषद द्वारा नवीन गन्ना किस्मों का त्वरित बीज संवर्धन कर किसानों को वितरित किया जा रहा है, जिससे कि कम समय में नवीन गन्ना किस्म अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सके।

किसान मेले में उद्घाटन अवसर पर उप गन्ना आयुक्त बरेली राजेश मिश्रा, उप गन्ना आयुक्त लखनऊ आरडी द्विवेदी, उप चीनी आयुक्त राजेश वर्मा, जिला गन्ना अधिकारी शाहजहांपुर जितेन्द्र मिश्र, संयुक्त निदेशक सुभाष सिंह उपस्थित रहे। मेले में उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य प्रदेशों से सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। आनलाइन गेटवे माध्यम से बुक किए गए नवीन गन्ना किस्म को.शा. 18231 एवं को.शा. 19231 के लगभग चार हजार मिनी सीड किट का वितरण किया। निदेशक द्वारा मेले में लगी विभिन्न शोध प्रदर्शनी, चीनी मिल स्टाल एवं कीटनाशक स्टाल का अवलोकन किया गया। निदेशक द्वारा शरदकालीन मिठास स्मारिका का विमोचन किया गया और सभाकक्ष में किसानों द्वारा दिए गए सुझावों को सुनकर समाधान दिया। चीनी मिल अजबापुर के यूनिट हेड पीके सिंह एवं चीनी मिल कुंभी के यूनिट हेड डॉ. सुनील कुमार यादव ने चीनी उद्योग के विषय में जानकारी दी। प्रगतिशील कृषक वीरपाल सिंह एवं कौशल कुमार मिश्रा ने विचार रखे। मेले में कृषक वैज्ञानिक विचार संगोष्ठी हुई।

सात प्रगतिशील किसान हुए सम्मानित

निदेशक द्वारा मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ एवं अयोध्या मण्डल के कुल सात प्रगतिशील किसानों को उनके द्वारा गन्ना खेती में किए गए नवोन्मेषी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। मेरठ मण्डल के कृषक सरेन्द्र, बागपत, सहारनपुर मण्डल के कृषक ओमकार त्यागी, जिला मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद मण्डल के कृषक दीपक कुमार, बिजनौर, बरेली मंडल के सुखदीप सिंह, पीलीभीत, लखनऊ मण्डल के ज्योति प्रकाश सिंह, जिला लखीमपुर खीरी एवं अयोध्या मण्डल के अमरनाथ सिंह जनपद अम्बेडकरनगर और राजबहादुर जनपद अयोध्या को सम्मानित किया। मेले में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से किसान गन्ना लेकर आए थे। उन किसानों के मध्य गन्ना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे जिला शाहजहांपुर के किसान जुवैर खां को प्रथम, जिला लखीमपुर खीरी के धर्मपाल मौर्य को द्वितीय एवं शाहजहांपुर के सरताज खान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तीनों किसानों को निदेशक द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. तौफीक व उसकी पत्नी उजमा बी व उनके पुत्र अली हमजा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मो. इस्माइल पुत्र मुनीर बख्श निवासी ग्राम रिछोला किफायतुल्ला परगना व तहसील नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र सार्थक यादव के शैक्षिक अभिलेखों में माता का नाम पूनम यादव गलत दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम रामदुलारी है। भविष्य में मुझे रामदुलारी के नाम से जाना व पहचाना जाये। **श्रीमती रामदुलारी पत्नी गंगा सिंह निवासी:-सेक्टर 5/331 आवास विकास कॉलोनी बरेली मोड़ तह. सदर जिला शाहजहांपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र कपिल देव ने हाईस्कूल की परीक्षा आदर्श कृष्णा देवी इन्टर कॉलेज, नवदिया झादा बरेली से वर्ष 2023 में उत्तीर्ण की थी। मेरे पुत्र की हाईस्कूल की मुख्य परीक्षा की अंकतालिका जिसका अनुक्रमांक 1230818166 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **चन्द्रपाल पुत्र श्री मान सिंह निवासी:- डोरिया, बरेली**

सूचना

मेरे पुत्र अमन गंगवार और पुत्री अंजली गंगवार के विद्यालय अभिलेखों में पिता का नाम जयपाल गंगवार व माता का नाम खेमा देवी दर्ज हो गया है जोकि गलत है सही नाम अमन गंगवार पुत्र जयपाल, अंजली गंगवार पुत्री जयपाल व माता का नाम हेम कुंवर है। अभिलेखों में दुरूस्त कर इन्हीं नामों से जाना जाये। अमन गंगवार पुत्र जयपाल, अंजली गंगवार पुत्री जयपाल माता का नाम हेम कुंवर ग्राम हरैया पोस्ट क्योलड़िया तहसील नवाबगंज जिला बरेली

आवश्यकता है

एल.बी.एस.ग्रुप ऑफ एजुकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कॉलेज हरदुआ नवाबगंज बरेली को यूजीसी द्वारा मान्यता धारक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की निम्न विषयों में भूगोल, शिक्षा शास्त्र, जंतु विज्ञान, कृषि हॉर्टिकल्चर कृषिशस्य विज्ञान, कृषि बॉटनी, कृषि पादप विज्ञान इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय में 7 दिनों के अंदर संपर्क करे।

संपर्क : 9412360790

NOTICE

In the School Records of my son Aman Gangwar and my daughter Anjali Gangwar father name Jaypal Gangwar and mother name Khema Devi wrongly registered. The correct name is Aman Gangwar, Anjali Gangwar father name Jaypal and Mother Name Hem Kunvar. Please correct is in the record and he should be known by name Aman Gangwar, Anjali Gangwar father Jaypal and Mother Name Hem Kunvar.

आवश्यकता है

सूर्या बैंक्वेट हॉल, बरेली में सुपरवाइजर

उम्र -25 से 35 वर्ष

मेहनती व्यक्ति की आवश्कता है।

अनुभव - न्यूनतम 2 वर्ष।

संपर्क : 8279937204

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

यूपीपीएससी के 315 और विशेषज्ञ कार्य से मुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चयन प्रक्रिया से जुड़े गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इसके लिए आयोग ने नियमित समीक्षा के दौरान पिछले चार वर्षों में कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबन्धित लगभग 450 विशेषज्ञों को आयोग के उक्त कार्य से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया गया है।

यह जानकारी आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पाण्डेय ने शुक्रवार को दी, उन्होंने बताया कि गोपनीय कार्यों के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाती है, उक्त क्रम में हाल ही में विभिन्न विषयों के 315 विशेषज्ञों को पुनः सत्यनिष्ठा, गुणधर्मिता और आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न करने पर गोपनीय कार्यों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने विशेषज्ञों के कार्य की गुणवत्ता की निरंतर समीक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की है। आयोग चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी को सौंपी क्षेत्रवार जनसांख्यिकी रिपोर्ट

भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनसांख्यिकी असंतुलन का रोडमैप देते हुए नीति लागू करने का दिया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिपोर्ट में यूपी की सामाजिक शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन

अमृत विचार : भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में जनसंख्या संरचना के असंतुलन और विकास के क्षेत्रवार अंतर को देखते हुए क्षेत्रवार जनसांख्यिकीय रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदेश के सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन करते हुए सुझाव दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण का समाधान किसी कानूनी दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता से संभव है।

लखनऊ के सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपी अपनी सात पेज की रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि मुस्लिम बहुल देशों बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान, ट्यूनीशिया, तुर्की और मलेशिया ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और धार्मिक समुदायों की भागीदारी के जरिये जनसंख्या स्थिरीकरण में उल्लेखनीय सफलता पाई है। डॉ. सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविध राज्य में भी यह मॉडल प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह नीति सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास के समान अवसर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को इस नीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। सिंह ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी यूपी के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली मंडल सनेत पूरब के आजमगढ़ और मऊ जिलों के कई ब्लाकों में मुस्लिम जनसंख्या 60 फीसदी से अधिक होने का जिक्र भी किया है।

मुख्य सिफारिशें

- लड़कियों की शिक्षा और विवाह की औसत आयु में वृद्धि पर बल
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भनिरोधक साधनों की सुलभ उपलब्धता
- धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से संवाद
- महिला स्वावलंबन के लिए माइक्रोफाइनेंस और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार
- जिला स्तर पर 'जनसंख्या डैशबोर्ड' और डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम

सुझावों पर योगी ने दिया कार्ययोजना बनाने का निर्देश

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के विस्तार को स्थायी जनसंख्या संतुलन के लिए अहम माना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर इसके सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए एक संतुलित, संवैधानिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर आधारित जनसांख्यिकीय नीति की रूपरेखा मानी जा रही है। नीति-निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इसे राज्य जनसंख्या नीति 2025 के प्रारूप में शामिल किया जा सकता है।

जिला स्तर पर बने जनसंख्या डैशबोर्ड

रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक 'जनसंख्या डैशबोर्ड' बनाया जाए, जो कुल प्रजनन दर, महिला शिक्षा दर, बाल विवाह और पलायन जैसे मानकों की नियमित निगरानी करे। साथ ही, विभिन्न धर्मों के धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 'जिम्मेदार अभिभावकता' का संदेश समाज में प्रसारित किया जाए। रिपोर्ट में इस नीति को स्वैच्छिक, अधिकार-आधारित और सामाजिक सहमति पर आधारित बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

संभल के मनोकामना मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : संभल स्थित मनोकामना मंदिर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में दिखेगा, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) एक करोड़ 71 लाख रुपये से इसका विकास कराएगा। जिले के प्राचीन तीर्थस्थल और कुओं को संवारा जाएगा। इससे संभल एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संभल के कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उक्त क्रम में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के समीप पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

आजम खान भी होंगे सपा के स्टार प्रचारक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को सौंपी गयी 20 प्रचारकों की सूची में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सहासचिव आजम खान भी शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा भेजी गयी सूची में अखिलेश समेत कुल 14 सांसदों को प्रमुखता दी गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव व ओम प्रकाश सिंह, सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष काशीनाथ दव व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी को शामिल किया गया है। सांसदों में अफजाल अंसारी, अवधेश प्रसाद, बाबू सिंह कुशवाहा, नरेश उत्तम पटेल, रमाशंकर विद्यार्थी राजभर, लाल जी वर्मा, छोटेलाल खरवार, राजीव राय, सनातन पाण्डेय, इकरा हसन और प्रिया सरोज को शामिल किया गया है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया छात्र

एटा, एजेंसी : जिले में शुक्रवार को ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर लौट रहा एक नाबालिग छात्र अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया और उसका एक पैर कट गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मारहरा थानाक्षेत्र के भुरगंवा रोड पर साइकिल से जा रहे 14 वर्षीय बसंत पर अचानक हाईटेंशन तार टूटकर गिर गया और तेज करंट लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और चीखने लगा। पुलिस के मुताबिक, आसपास के लोग और राहगीर मदद के लिए दौड़े। पुलिस ने बताया कि एंबुलेंस की मदद से बसंत को एटा के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। घायल के ताऊ महेंद्र सिंह ने बताया कि ऊपर से गुजर रहा हाईटेंशन का तार बसंत के ऊपर जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे
- औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी। अवशेष राशि को 1 अक्टूबर 2026 से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए, उक्त अवधि की अवशेष राशि का 10% कर्मचारी के टियर-1 पेंशन खाते में और 14% राज्य सरकार के योगदान के रूप में जमा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत

सरकार ने कहा है कि जो अधिकारी या कर्मचारी शासनादेश जारी होने की तिथि से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अगले छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें देय महंगाई भत्ते की समस्त बकाया राशि नकद रूप में दी जाएगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

मिलावटखोरी के खिलाफ जांच में आएगी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई प्रयोगशालाएं की जा रहीं स्थापित, हर वर्ष लगभग 24 हजार नमूनों की होगी जांच

अमृत विचार : दीपावली त्योहार के दौरान खुलकर सामने आ गया कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराधिक गैंग और उसके माफिया भले ठंडे पड़ गए हो लेकिन खाद्यपदार्थों के मिलावटखोर अब भी सक्रिय हैं। ऐसे मिलावटखोर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्योहारों के मौसम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ एक कड़ा अभियान चलाया गया। इससे पहले भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका था कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अब मिलावटखोरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करेगा।

खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच में तेजी लाने के लिए कानपुर अयोध्या सहारनपुर और अलीगढ़ में नई प्रयोगशालाएं शुरू हो रही हैं। इन प्रयोगशालाओं से हर साल लगभग 24 हजार नमूनों की जांच की जाएगी। राज्य सरकार सभी मंडल मुख्यालयों पर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रयास कर रही है। इन नई प्रयोगशालाओं के खुलने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी।

भीड़ प्रबंधन के हों पुख्ता इंतजाम

मुख्य सचिव ने की छठ पूजा व पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पूजा एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने इस दौरान कहा कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों और जलस्रोतों का जल स्वच्छ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, और चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे। मुख्य सचिव ने आतिशबाजी को आमजन से दूर रखने और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की हिदायत दी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छठ पर्व की तैयारियों के दौरान पिछली घटनाओं का विश्लेषण कर लिया जाए ताकि अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने छेड़खानी और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड को वर्दी और सादी वर्दी में तैनात करने के निर्देश दिए।

1 व 2 नवंबर को दस जिलों में होगी भर्ती परीक्षा

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए पद के 1129 पदों की भर्ती परीक्षा 1 नवम्बर को और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 921 पदों की भर्ती परीक्षा 2 नवम्बर को प्रदेश के 10 जिलों- आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष कर्मियों की तैनाती की जाए। अभ्यर्थियों को केवल आईकार्ड, एडमिट कार्ड और पेन के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति न दी जाए।

बिहार चुनाव में आकाश की क्षमता परखेगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी से युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी पार्टी

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में आकाश आनंद की क्षमता को परखेगी। आकाश मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। पार्टी प्रमुख मायावती को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में अब आकाश के सहारे पार्टी, युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी है। बिहार विधानसभा चुनाव में आकाश भी बसपा के एक स्टार प्रचारक हैं। एक तरह से उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आकाश के लिए बिहार चुनाव सेमीफाइनल सरीखा होने वाला है।

दरअसल, माना जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के भविष्य को मजबूत करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। मायावती ने पिछले दिनों पार्टी पदाधिकारियों की लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकें बुलाईं। इन बैठकों में मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद भी मौजूद रहे। मायावती ने पदाधिकारियों से साफ निर्देश दिए कि जैसे उन्होंने मेरा साथ दिया है, वैसे ही अब आकाश का भी साथ दें। यह बयान बसपा समर्थकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्रवाक्य माना जा रहा है।

असंतुलन — लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

प्रदेश का पूर्वी हिस्सा विकास की दौड़ में सबसे पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 विभिन्न मानकों पर पूर्वी यूपी के 28 जिलों का किया अध्ययन

अमृत विचार : विकास के क्षेत्रीय असंतुलन से देश के कई हिस्सें प्रभावित हैं। आधारभूत संरचना का असमान वितरण इसका सबसे बड़ा कारण रहा है। जिसे दूर करने के वादे-इरादे के साथ कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन हालात बदलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को उजागर किया है कि उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा आज भी मध्य उत्तर प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा है। विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा ने अपने शोध में यह दावा किया है।

विश्वविद्यालय के दोनों शोधकर्ताओं ने 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों जैसे कि आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचा के आधार पर 28 जिलों का समग्र विकास सूचकांक तैयार किया है। भारतीय अर्थशास्त्र एवं विकास पत्रिका में प्रकाशित एक ताजा शोध में यह सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर आज भी राज्य के अति पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली की पहुंच जीवन स्तर उठाने की कुंजी हैं।

ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का किया प्रयोग

अध्ययन में ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का इस्तेमाल कर हर जिले को विकास स्कोर दिया गया है। शोध में यह भी जांचा गया कि किन क्षेत्रों का समग्र विकास में सबसे ज्यादा योगदान है। शोध में पाया गया कि औद्योगिक विकास का असर सबसे कम है, क्योंकि क्षेत्र में निवेश और कारखानों की भारी कमी है।

शोध की खास बातें

- श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच अति पिछड़े ज़िले पाए गए
- सिद्धार्थनगर ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया
- सभी जिलों में बुनियादी ढांचागत विकास व औद्योगिक विकास बेहद कमजोर
- कृषि और रोजगार के स्कोर सबसे कम
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मानसून पर पूरी तरह निर्भर

क्या है उपाय

शोध का समाधानपरक निष्कर्ष है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों में बड़े सार्वजनिक निवेश की तत्काल जरूरत है, ताकि क्षेत्र को "निम्न-संतुलन जाल" से बाहर निकाला जा सके। "एक जिला एक उद्योग" जैसी योजनाओं का विस्तार किया जाए, ताकि हर जिला किसी उत्पादक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सके, रोजगार बढ़े और निवेश आकर्षित हो। बुनियादी ढांचे, कृषि और उद्योग में समन्वित व संतुलित विकास ही एकमात्र रास्ता है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है।

डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तकनीक और सुशासन के संगम से बन रहा नया मॉडल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति अब डिजिटल रूप में नई पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन कर्मयोगी' को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस पहल से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का नया आयाम जुड़ रहा है। समाज कल्याण विभाग इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक विभाग के 3,900 अधिकारी, संविदाकर्मी और शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल से जुड़ चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 ऑनलाइन कोर्स पूरे किए, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का डिजिटल प्रशिक्षण शामिल है।

इनमें से 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स पूरा किया, जबकि 2,289 ने तीन या उससे अधिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह पहल हर सरकारी कर्मचारी को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिशन कर्मयोगी के पाठ्यक्रमों में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे कोर्स सरकारी प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बना रहे हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यसंस्कृति के लिए योगा आदि विषय सुनिश्चित कर रहे हैं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मिशन कर्मयोगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साझा सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य है कि शासन को पेपरलेस, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना।

न्यूज ब्रीफ

कई स्पेशल ट्रेनें छठ पर चलाईं गईं

बरेली, अमृत विचार : छठ पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल प्रशासन ने कई स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। यह ट्रेनें दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, जयपुर, अहमदाबाद, हावड़ा, यशवंतपुर, पुणे और चेन्नई तक चलाई जाएंगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता के अनुसार मुरादाबाद मंडल से होकर गुजरने वाली ट्रेनों में बेयरिंग स्टेशन के रूप में बरेली और मुरादाबाद का नाम प्रमुख है। इन ट्रेनों के संचालन की तारीखें अक्टूबर से नवंबर के बीच निर्धारित की गई हैं। 04662 फिरोजपुर–पटना 29 अक्टूबर को मुरादाबाद से होकर चलेगी, जबकि 04601 पटना–फिरोजपुर 30 अक्टूबर को रवाना होगी। इसी प्रकार 04656 लुधियाना–सोनपुर और 04658 (लुधियाना–कटिहार) ट्रेनें शुक्रवार तक चलाई गईं। 09425 साबरमती–हरिद्वार और 09426 हरिद्वार–साबरमती ट्रेनें 26 अक्टूबर तक चलेंगी।

उत्तर प्रदेश की टीम को कांस्य पदक

बरेली, अमृत विचार : मडगांव में आयोजित सेपक टाकरा 35 वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की महिला टीम का सेमीफाइनल में मणिपुर की टीम से मुकाबला हुआ, जिसमें टीम को 2–1 से हार का सामना करना पड़ा और टीम को कांस्य पदक से संतुष्ट होना पड़ा। सेपकटाकरा उत्तर प्रदेश एसोसिएशन प्रदेश के सचिव तानसिंह टीम मैनेजर के रूप में टीम के साथ गए थे। टीम के कोच मीना कुमारी और राम कुमार रहे। प्रदेश की टीम में बरेली साई स्टेडियम के 4 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी पूरी

बरेली, अमृत विचार : जिला प्रशासन ने पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–ए पदों पर सीधी भर्ती–2023 की लिखित परीक्षा 1 नवंबर और पुलिस उप निरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) एवं पुलिस सहायक उप निरीक्षक (लेखा) पदों पर सीधी भर्ती–2023 की लिखित परीक्षा 2 नवंबर को संपन्न कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। डीएम अविनाश सिंह ने दो दिन होने वाली लिखित परीक्षा के लिए 15 केंद्र बनाए हैं। 6960 अभ्यर्थी केंद्रों पर परीक्षा देंगे। डीएम ने स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगा दी है। वहीं, डीएम संजय कम्युनिटी हाल में शनिवार की दोपहर 3 बजे परीक्षा संचालन के संबंध में परीक्षा से संबंधित अधिकारी–कर्मचारियों के साथ बैठक करेंगे।

भतीजे की शादी में मौलाना तौकीर रजा के शामिल होने पर संशय

पेशी के बाद तय होगा मौलाना शादी में शिरकत करेंगे या अभी कुछ दिन जेल में रहेंगे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पुलिस पर पथराव कर फायरिंग कराने के मास्टर माइंड आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के भतीजे की शादी 28 अक्टूबर को है। भतीजे की शादी समारोह में मौलाना के शामिल होने को लेकर संशय बरकरार है। इसी दिन बवाल मामले में मौलाना तौकीर रजा की कोर्ट में पेशी नियत है। अब 28 अक्टूबर को फैसला होगा कि तौकीर रजा खां पेशी के बाद जेल जाएंगे या फिर अपने भतीजे की शादी में शिरकत कर पाएंगे। मौजूदा समय में तौकीर रजा फतेहगढ़ जेल में बंद हैं।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर 26 सितंबर को नमाज के बाद आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़-फोड़ की थी। शहर में बवाल कराने के लिए गैर जनपद से गैंगस्टर तक बुलाए गए थे। साथ ही पश्चिम बंगाल और बिहार से लोगों को बुलाया गया था। इतना ही नहीं एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर का एंटी रायट गन छीनते हुए पुलिस का वायरलेस सेट भी उपद्रवियों ने लूट लिया था। बवाल के बाद कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, किला, प्रेमनगर और कैंट थाने में एक-एक मुकदमा लिखा गया था। बवाल की साजिश रचने के आरोप में सात मुकदमों में तौकीर रजा को नामजद किया गया था। अब उन्हें सभी मुकदमों में साजिशकर्ता के रूप में नामजद किया गया है। बवाल कराने की साजिश रचने के आरोप में मौलाना तौकीर को गिरफ्तार करके फतेहगढ़ जेल में रखा गया है। मौलाना तौकीर रजा खां के परिजनों के अनुसार उनके भाई तौसीफ रजा खां के बेटे मुफ्ती फैज रजा अजहरी की शादी 28 अक्टूबर को है।

परिवार में शादी की तैयारियां चल रही है, लेकिन तौकीर रजा के जेल में बंद होने के चलते परिवार के लोग मायूस हैं, क्योंकि उनके शादी समारोह में शामिल होने पर संशय बना हुआ है। हालांकि परिवार के लोगों ने कानूनी प्रकिया के जरिये तौकीर रजा को जेल से बाहर निकालने में पूरी ताकत लगाये हुए हैं। ऐसे में मौलाना तौकीर रजा खां के समर्थकों के साथ-साथ उनके परिवार के लोगों में एक ही चर्चा चल रही है क्या मौलाना तौकीर भतीजे की शादी में शिरकत कर पाएंगे?

तौकीर रजा को हो रही फंडिग की जांच कराएं : निदा खान

बरेली, अमृत विचार : आला हजरत खानदान की बहू रही निदा खान ने फेसबुक पर वीडियो जारी करके शहर में बवाल कराने की साजिश रचने के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां पर तमाम गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि तौकीर रजा ने दूसरे समुदाय की 30 लड़कियों का धर्मांतरण करा कर उनकी शादी करवाने का ऐलान किया था। वह सालों से भड़काऊ भाषण देते आ रहे हैं। उनकी लग्जीरियस लाइफ–स्टाइल और मदरसे की फंडिंग की भी जांच होनी चाहिए। पड़ोसी देश और मॉरिशस से भी फंडिंग की जा रही है। वह नेक्सस चला रहे हैं।निदा खान ने फेसबुक एकाउंट पर वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि तौकीर रजा के लोग तालिबानी रवैया रखते हैं और वह किसी भी तरह की हरकत कर सकते हैं। यहां तक कि उनकी जान भी खतरे में है। निदा ने वीडियो में तौकीर को माफिया तक बताया है। निदा ने कहा कि भले ही तौकीर रजा जेल में हैं, पर वह दिखाना चाहते हैं कि उनका दबदबा कम नहीं हुआ, इसलिए उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। निदा ने कहा कि उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर शिकायत दर्ज कराई है। उनके मुताबिक उनके पति शिराज रजा के खिलाफ भी गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही। निदा ने आरोप लगाया कि ये परिवार कभी महिलाओं के साथ खड़ा नहीं होता है। इन लोगों ने महिलाओं को खामोश करवाने का तरीका ढूंढ लिया है। अगर कोई औरत कुछ कहेगी तो उसे धार्मिक मुद्दों से जोड़ दिया जाएगा।

कौन हैं निदा खान : निदा खान समाजसेविका हैं। उनका निकाह 18 फरवरी 2015 को हुआ था। उनकी तरफ से दहेज, घरेलू हिंसा और मारपीट के आरोपों के बाद उनके पति ने उन्हें तीन तलाक दे दिया। उस घटना के बाद उन्होंने तीन तलाक के विरोध में आवाज उठायी और तीन तलाक कानून के लिए भी सक्रिय रहीं। ऐसे में अब वह 'आला हज़रत हेल्पिंग सोसाइटी' के नाम से संस्था चला रही हैं, जिससे वह तीन तलाक पीड़ित महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ने का काम कर रही हैं।

पिछली बार वीसी से हुई थी पेशी

शहर में पुलिस पर पथराव और फायरिंग कर दंगा कराने की साजिश रचने वाले आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को 14 अक्तूबर को कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेशी हुई थी। उनके खिलाफ न्यायालय ने छह साल पहले सीएए–एनआरसी के विवाद के दौरान प्रदर्शन करने और 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद शहर में बवाल कराने में दर्ज किए गए 10 मुकदमों में बी वारंट जारी किया है। मौलाना तौकीर को मौजूदा समय में फतेहगढ़ की जेल में रखा गया है। अगली पेशी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग से ही होने की संभावना है। इस बारे में पुलिस–प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है। अधिकारियों का सिर्फ यह कहना है कि इस बारे में अंतिम समय में फैसला लिया जाएगा।

जाट रेजिमेंट सेंटर में होगी सेना भर्ती रैली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- हेडक्वार्टर्स कोटा के तहत अग्निवीर समेत कई पदों पर होगी भर्ती

अमृत विचारः सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल होने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए अच्छी खबर है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा शाखा) के अनुसार जाट रेजिमेंट सेंटर बरेली में यूनिट हेडक्वार्टर्स कोटा (यूएचक्यू) के तहत सेना भर्ती रैली का आयोजन 8 से 16 दिसंबर तक किया जाएगा। इस भर्ती रैली में अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, ट्रेड्समैन, संगीतकार, खिलाड़ी और लिपिक पदों पर भर्ती की जाएगी।

यह भर्ती रैली विशेष रूप से युद्ध विधवाओं के पुत्रों, जाट रेजिमेंट के भूतपूर्व एवं सेवारत सैनिकों के पुत्रों, शहीद और घायल सैनिकों के सगे भाइयों और अन्य रेजिमेंट के भूतपूर्व सैनिकों के परिजनों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ी और कानूनी रूप से गोद लिए गए पात्र अभ्यर्थी भी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 4 बजे तक अपने सभी जरूरी प्रमाणपत्रों के साथ जाट रेजिमेंट सेंटर के जाट गेट पर पहुंचना होगा। सुबह 7 बजे के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना भर्ती कार्यालय ने सभी पात्र उम्मीदवारों से समय पर पहुंचने और आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जाट रेजिमेंट सेंटर के भर्ती कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

भर्ती रैली का तिथिवार विवरण

8 दिसंबर : अग्निवीर स्पोर्ट्स और सामान्य ड्यूटी– सभी राज्यों के खिलाड़ी (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा को छोड़कर)।
9 दिसंबर : हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों के अभ्यर्थियों के लिए।
11 दिसंबर : उत्तर प्रदेश के आगरा, लखनऊ, कानपुर, मेरठ, गोरखपुर सहित कई जिलों के लिए।
12 दिसंबर : उत्तर प्रदेश के बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बिजनौर समेत पश्चिमी जिलों के अभ्यर्थियों के लिए।
13 दिसंबर : राजस्थान के अभ्यर्थियों के लिए।
15 दिसंबर : अग्निवीर ट्रेड्समैन और यंत्र वादक (सभी राज्यों के अभ्यर्थी)।
16 दिसंबर : अग्निवीर लिपिक (केवल जाट रेजिमेंट के अभ्यर्थी)।

44 करोड़ से होगा बहेड़ी भुड़िया मार्ग का चौड़ीकरण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पीडब्ल्यूडी ने 16.80 किमी लंबे मार्ग का प्रस्ताव शासन को भेजा
- 3.75 मीटर से बढ़ाकर सात मीटर चौड़ी की जाएगी सड़क

अमृत विचारः पीडब्ल्यूडी ने बहेड़ी से भुड़िया मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 44 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा है। 16.80 किलोमीटर लंबी सड़क की चौड़ाई 3.75 मीटर है, जिसे बढ़ाकर सात मीटर करने का प्रस्ताव है। इस सड़क के चौड़ीकरण से क्षेत्र के 10 गांवों के साथ लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा। उत्तराखंड जाने वाले यात्रियों को भी सहूलियत होगी। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी दोनों प्रदेशों के किसानों और व्यापारियों को फायदा होगा।

उत्तराखंड के जिला उधम सिंह नगर में नानकपुरी गुरुद्वारा है। यहां जाने के लिए तहसील बहेड़ी से भुड़िया होते भी पहुंच सकते हैं, लेकिन यह सड़क काफी समय से बदहाल है। सड़क की चौड़ाई कम होने पर तमाम लोग किच्छा होते हुए नानकपुरी और रुद्रपुर की ओर जाते हैं। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता भगत सिंह ने बताया कि सड़क बनाने की काफी समय से मांग उठ रही थी। दिशा की बैठक में भी सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का मुद्दा उठा था। बीते माह इस सड़क का निरीक्षण किया था, जिसके बाद 44 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह मार्ग आगे जाकर रुद्रपुर में मिलता है। इसके आगे की सड़क पीएमजीएसवाई ने बनाई है।

बाइक खरीदने के लिए करने लगा स्मैक तस्करी

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर 57 ग्राम स्मैक बरामद की है। स्मैक की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 5.70 लाख रुपये कीमत बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चठिया जगन्नाथ अटामांडा, भोजीपुरा निवासी वसीम के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वसीम स्पोर्ट्स बाइक खरीदने के लिए स्मैक तस्करी करने लगा।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं।

छठ पर पांच पूजा स्पेशल ट्रेनों से मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः छठ पर यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल ने शुक्रवार से पांच पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा के मार्गदर्शन में इन ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया है।

मंडल प्रशासन के अनुसार 101 जोड़ी ट्रेनों में से 26 जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेनों को त्योहारी अवधि के दौरान चलाया जा रहा है। सीनियर डीसीएम संजीव शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को 04118 लालकुआं-प्रयागराज, 05401 बरेली सिटी-काशीपुर, 05402 काशीपुर-बरेली सिटी और 09084 बनारस-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। वहीं 25 अक्टूबर को 05074 लालकुआं-बेंगलुरू सिटी, 05059 कोलकाता-लालकुआं, 05401 बरेली सिटी-काशीपुर, 05402 काशीपुर-बरेली सिटी, 09112 बड़ोदरा-गोरखपुर स्पेशल ट्रेनें संचालित होंगी।

उधर, इज्जतनगर मंडल की ओर से मथुरा छावनी से छपरा के बीच एक जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का संचालन 25 अक्टूबर को किया जाएगा।इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि 05066 मथुरा छावनी-छपरा अनारक्षित पूजा स्पेशल मथुरा से रात 23.50 बजे प्रस्थान कर हाथरस सिटी, कासगंज, बदायूं, बरेली जंक्शन, इज्जतनगर, भोजीपुरा, पीलीभीत, पूरनपुर, मैलानी, लखीमपुर, सीतापुर, बुड़वल, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, थावे, मशरख होते हुए रात 22.45 बजे छपरा पहुंचेगी।वापसी यात्रा में 05065 छपरा-मथुरा छावनी पूजा स्पेशल 28 अक्टूबर को छपरा से रात 20 बजे चलेगी और मशरख, थावे, गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा, सीतापुर, बरेली, कासगंज, हाथरस सिटी होते हुए अगले दिन 19:20 बजे मथुरा छावनी पहुचेगी। इस विशेष ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे, जिनमें 14 साधारण द्वितीय एवं शयनयान श्रेणी के कोच होंगे और सभी अनारक्षित रहेंगे।

मंडल की 25 स्पेशल ट्रेनों में सीटें उपलब्ध

बरेली, अमृत विचार : त्योहारी सीजन में उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की ओर से चलाई जा रही स्पेशल ट्रेनों में सीटें उपलब्ध हैं। मंडल प्रशासन की ओर से शुक्रवार को 25 ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता की सूची जारी की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक कई ट्रेनों में विभिन्न श्रेणियों– प्रथम एसी, द्वितीय एसी, तृतीय एसी, स्लीपर और थर्ड ईकोनॉमी में सीटें उपलब्ध हैं। जिन ट्रेनों में सीटें हैं, उनमें 04016, 04504, 04608, 04204, 04010, 04610, 04018, 05578, 04014, 04118, 05302, 05006, 04829, 07078, 05284, 03224, 04020, 04732, 04072, 04602, 04228, 04234, और 04236 आदि शामिल हैं। इन ट्रेनों में कई मुरादाबाद मंडल से ही ओरिजनेट और टर्मिनेट होती हैं, जिससे मंडल के यात्रियों को सीधी सुविधा मिलेगी।

कार्यालय जिला पंचायत, बदायूं

पत्रांक: 996/जि.पं./नि.अनु./2025–26 दिनांक: 24.10.2025

अल्पकालीन सामान्य निविदा सूचना

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33–2–2019–198जी/2018 दिनांक 16 अगस्त 2019 व शासनादेश सं. 1129/33–2–2020–167 जी / 2018 दिनांक 03 जून, 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 3 कार्यो की सामान्य निविदायें दिनांक 10.11.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंतित्र की जाती है जो इसी दिनांक 10.11.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 10.11.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत में प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क की धनराशि फार्म–5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/ एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ–साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण/पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष, जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
1.	दातागंज	ग्राम भगवानपुर मढ़ी मार्ग से अमानाबाद तक लेपन विशेष मरम्मत	509213	50950	1200	30 दिन
2.	दातागंज	गदरौली मोड से उगनपुर लेपन विशेष मरम्मत	412315	41250	1200	30 दिन
3.	कादरचौक	भोजपुर में कादरचौक मार्ग तक बाया भगवान सिंह शाक्य के ट्यूबेल तक लेपन विशेष मरम्मत	369485	36950	1200	30 दिन

नोट:– 1. जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र– 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु–2 के पत्रांक 819/33–2–2007–100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है।

2. कार्यो के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा।

3. निर्माण कार्यो में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यो के प्राक्कलन में पृथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

4. लेपन कार्य हेतु मैक्सफाल्ट व इमलशन सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा क्रय कर भुगतान से पूर्व सी.आर.सी. कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा तथा सी.आर.सी. का सत्यापन उपरान्त ही भुगतान किया जायेगा।

पवन कुमार गोयल, अभियन्ता, जिला पंचायत, बदायूं
दिनेश प्रताप सिंह, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, बदायूं
वर्षा सिंह, अध्यक्ष, जिला पंचायत, बदायूं

त्योहारों के बाद अटके काम कराने प्रधान डाकघर पहुंचे लोग

बरेली, अमृत विचार : त्योहारों के अवकाश के बाद लोग अपने कामकाज को लेकर शुक्रवार को सरकारी कार्यालयों में पहुंचे। शहर के प्रधान डाकघर में भी शुक्रवार को काफी भीड़ रही। डाकघर दीपावली पर ही बंद रहे थे और सभी दिन खुले रहे थे, लेकिन फिर भी लोग छुट्टी और त्योहारों के चक्कर में नहीं पहुंच पाए थे। भाई दूज के बाद लोग अपने अधूरे कामों को पूरा कराने के लिए डाकघर में पहुंचे थे। इससे वहां पर लोगों की लंबी लाइन लगी। प्रधान डाकघर में छुट्टी पर गए 50 प्रतिशत कर्मचारी अभी तक ड्यूटी पर नहीं लौटे हैं। इसके चलते शुक्रवार को 50 प्रतिशत कर्मचारी ही डाकघर का सारा कार्य संभालते रहे। डाकघर में आधार कार्ड बनवाने को लंबी लाइन लगी रही। डाकघर के गेट पर आधार कार्ड के फार्म को लेने के लिए भी लंबी लाइन लगी रही है। सामान्य दिनों में दो ऑपरेटर आधार कार्ड बनाते हैं, लेकिन कर्मचारियों के अवकाश पर होने के कारण एक ऑपरेटर ने ही आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने का कार्य किया, जिससे बेहद धीमी गति से कार्य चला।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचनाः ओटी-10-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-1, निविदा सं.: ओटी-10-2025, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मण्डल अन्तर्गत गोरखपुर कैण्ट–बाल्मिकीनगर खण्ड में 2 x 25 केवी, एसी, 50 हर्ट्ज ओएचई प्रणाली पर विद्युत आपूर्ति हेतु टीएसएस, एसएसपी, बीएसपी की डिजाईन, आपूर्ति, परीक्षण, स्थापना और कमीशनिंग तथा एसएसपी एवं बीएसपी भवनों के विद्युतीकरण का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 61,32,23,495.34, बयाना राशिः ₹ 32,16,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समयः 04-12-2025 को 15:00 बजे।

नोटः • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-166 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

चार ट्रेनों में अस्थाई रूप से लगाए अतिरिक्त कोच

बरेली, अमृत विचारः उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल प्रशासन ने चार प्रमुख ट्रेनों में अस्थायी रूप से एक-एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि 14207 मां वैष्णो देवी धाम प्रयागराज-दिल्ली एक्सप्रेस में 28 से 31 अक्टूबर तक और 14208 दिल्ली-मां वैष्णो देवी धाम प्रयागराज एक्सप्रेस में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाया जाएगा। जिससे यात्रियों को सीट उपलब्ध हो पाएगी और उनका सफर आसान होगा।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025–26/1657 दिनांक: 24.10.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025–26 में अनुभवी पार्टियों से नयी एनॉलोजिक मेक एनडरायड एच.एच.सी. मशीनों की आपूर्ति, एच.डी.पी.ई. बैग्स हेतु टैग की आपूर्ति, विभिन्न स्टेशनरी की आपूर्ति, स्टेशनरी प्रिंटिंग की आपूर्ति, अन्य चीनी मिलों से लूज बैगास का परिवहन कार्य, मिल के दो गन्ना क्रय केन्द्रों यथा चुर्रासकतपुर एवं क्योलड़िया द्वितीय से गन्ना परिवहन कार्य हेतु दिनांक 01.11.2025 तक ई–निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की नियम एवं शर्ते व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल–1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई–निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

हेडमास्टर समेत 99 शिक्षकों और शिक्षा मित्रों का कटेगा वेतन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 21 सितंबर से 20 अक्टूबर तक अनुपस्थिति और काम में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

अमृत विचारः बीएसए कार्यालय से जिले के अलग-अलग स्कूलों में अनुपस्थिति रहने वाले 99 हेडमास्टर, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और सहायक शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं। 21 सितंबर से 20 अक्टूबर तक विद्यालयों में समय से उपस्थिति न होने, शिक्षण कार्य में लापरवाही और विद्यालय संचालन में अनियमितता पाए जाने पर की गई है।

बीएसए कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में शिक्षक देर से पहुंचे या बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। इनमें 51 शिक्षा मित्र, पांच हेडमास्टर, 29 सहायक शिक्षक और 14 अनुदेशक शामिल हैं। कई स्थानों पर प्रार्थना सभा के समय विद्यालय बंद मिला और बच्चों की उपस्थिति भी कम थी। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर बीएसए ने संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए थे। जांच में दोषी पाए जाने पर 99 शिक्षकों और शिक्षा मित्रों की एक दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए गए। बीएसए संजय सिंह ने कहा कि शिक्षण कार्य में ढिलाई किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी शिक्षकों को चेतावनी दी कि भविष्य में भी यदि कोई कर्मचारी लापरवाह पाया गया तो उस पर और कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें निलंबन या सेवा समाप्ति तक की कार्यवाही संभव है। बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक सप्ताह विद्यालयों का औचक निरीक्षण करें और शिक्षकों की उपस्थिति, शिक्षण स्तर व विद्यार्थियों की प्रगति का ब्योरा रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत करें।

शर्मा कंस्ट्रक्शन को तीन दिन का अल्टीमेटम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आश्वासन के बावजूद काम शुरू नहीं करने पर फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की भी तैयारी

अमृत विचारः सीएम ग्रिड योजना के दूसरे चरण में आश्वासन के बावजूद काम शुरू नहीं करने और लापरवाही बरतने पर गाजियाबाद की कार्यदायी संस्था शर्मा कंस्ट्रक्शन पर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। एजेंसी को तीन दिन में काम शुरू करने का अल्टीमेटम दिया गया है। अगर एजेंसी इसके बाद भी काम शुरू नहीं करती है, तो उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा और सारे अनुबंध निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही एजेंसी के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया जा सकता है।

जानकारी के अनुसार शासन ने योजना के लिए 35 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी थी और एजेंसी को कोहाड़ापीर से कुदेशिया होते हुए दोनों साइड रोड निर्माण और सौंदर्यीकरण का काम सौंपा था। एजेंसी को 8 जुलाई को कार्यादेश जारी कर 15 महीने का समय दिया गया था, लेकिन साढ़े तीन महीने बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है। एजेंसी ने केवल जीपीएस सर्वे का काम पूरा किया है लेकिन न ही तकनीकी स्टाफ तैनात किया और न मशीनरी उपलब्ध कराई है।

अधिकारियों के मुताबिक 30 सितंबर को शर्मा कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि पवन शर्मा ने नगर आयुक्त के कार्यालय में आकर कार्य को तत्काल शुरू करने का आश्वासन दिया था, इसके बावजूद कोई काम शुरू नहीं किया गया। एजेंसी के प्रतिनिधि से संपर्क साधने की कोशिश पर भी कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी को एजेंसी पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

घर में घुसकर दबंगों ने महिलाओं से की अभद्रता

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र की ग्रीनवैली कॉलोनी में दीपावली की रात त्योहार का माहौल खूनी संघर्ष में बदल गया। पटाखों को लेकर हुए विवाद में देखते ही देखते दबंगों ने घर में घुस कर महिलाओं से अभद्रता की। विरोध करने पर पीड़ितों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इतना ही नहीं फायरिंग कर दहशत फैलाने के भी आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने मामले की शिकायत शुक्रवार को एसएसपी अनुराग आर्य से की है। एसएसपी ने मामले में जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

थाना क्षेत्र के ग्रीनवैली निवासी प्रदीप कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि दीपावली की रात करीब 11 बजे पड़ोसी परिवार ने उनके घर की तरफ रॉकेट और पटाखे फेंके, जिससे उनके परिवार के कपड़ों और घरेलू सामान में आग लग गई। विरोध करने पर पड़ोसी के पूरे परिवार ने गालियां देनी शुरू कर दीं।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–**विवेकानंद**, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।

–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

सामने

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।

–**फारूख अब्दुल्ला**
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

संस्मरण

चाय

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

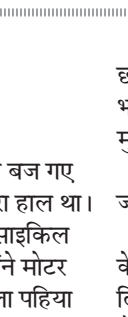

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,211.88	25,795.15
गिरावट	344.52	96.25
प्रतिशत में	0.41	0.37

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,600 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की ओर से देय होता है। वेबसाइट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है, ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिकी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

● विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं।

● विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

डॉलर को छोड़कर अन्य मुद्राओं का मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके विनिमय दर से तय होता है। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत की स्थिति इस समय काफी मजबूत है।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

● गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय एवं अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया और 85.9 करोड़ डॉलर के 12 सौदे हुए, जबकि इससे पिछली तिमाही में कुल 58 करोड़ डॉलर मूल्य के सात सौदे हुए थे।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 58 प्रतिशत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की। सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर माह के 'एरियर' (बकाया) का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

राष्ट्रीय

नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग: मोदी

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में असली दिवाली 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राजद और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने लालू यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा। कहा, राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा, सीवान की जनता को सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर: आयोग

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के वर्ष 2026 में होने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारत चुनाव आयोग ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास हाईकोर्ट को दी।

आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए पूरे देश में वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। यह जानकारी हाईकोर्ट में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर में द्रमुक के लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार हैं। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता है।

● हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

बेंगलुरु। दिव्याश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीएन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरेश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के तीन पी - प्रेरणा, धैर्य और दृढ़ता पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों को जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

● रेवा विश्वविद्यालय दिव्याश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इक्विलिब्रियम चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीजी टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

मोदी बताएं, 65% आरक्षण का प्रावधान नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले शुक्रवार को कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्पूरी ठाकुर जी के गांव जा रहे हैं। उनके लिए तीन सीधे सवाल हैं। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी। क्या यह सही नहीं है कि आपकी पार्टी के वैचारिक पूर्वज जनसंघ और आरएसएस ने उनकी आरक्षण नीति का खुलकर विरोध किया था। क्या उस समय जनसंघ-आरएसएस ने सड़कों पर कर्पूरी ठाकुर जी के खिलाफ अपमानजनक और घृणा से भरे नारे नहीं लगाए थे क्या उस दौर में जनसंघ-आरएसएस खेमे के प्रमुख नेताओं ने कर्पूरी ठाकुर सरकार को अस्थिर करने और गिराने में अहम भूमिका नहीं निभाई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री आज उस ऐतिहासिक गलती के लिए अपने वैचारिक पूर्वजों - जनसंघ और आरएसएस की ओर से माफ़ी मांगेंगे।

भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री: तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बिहार चला रहे हैं।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच आज से शुरू होगी

लेह/जम्मू। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों की न्यायिक जांच शनिवार से शुरू होगी और इस दौरान पीड़ितों को जांच पैनल के सदस्यों के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। केंद्र ने लेह में हुई हिंसक झड़पों की उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराए जाने की 17 अक्टूबर को घोषणा की थी। यह लद्दाख के प्रदर्शनकारी समूहों की एक प्रमुख मांग थी। लेह में हुई इस झड़प में 1999 के करगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की जान चली गई थी। विधि एवं न्याय विभाग के सलाहकार कुरैशी तारिक महमूद द्वारा शुक्रवार को जारी एक आदेश में कहा गया, लेह शहर में हुई 24 सितंबर की घटना की न्यायिक जांच 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक लेह के मेलोंगथांग स्थित वैकल्पिक विवाद निवारण केंद्र में होगी।

पुलिसकर्मी ने किया बलात्कार, हाथ पर सुसाइड नोट लिख सरकारी डॉक्टर ने की आत्महत्या

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर बलात्कार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना का संज्ञान लेते हुए सतारा के एसपी तुषार दोशी से फोन पर बात की और आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल बर्खास्त करने का आदेश दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले से ताल्लुक रखने वाली 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के एक सरकारी अस्पताल में काम करती थीं। महिला चिकित्सक का शव बृहस्पतिवार देर रात फलटण में एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पिछले पांच महीनों में सतारा के एक पुलिस उपनिरीक्षक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि एक अन्य व्यक्ति उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में महिला चिकित्सक ने लिखा है कि उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

भारत की गर्जना...

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई ।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है । यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं । जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है । हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं । अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे ।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है । भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा ।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे । रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा । अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी । भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा ।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा । पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा । पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा । रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे ।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है । ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी ।

भारत पर बड़ा दबाव

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं । भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है । भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है ।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं । भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा ।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे । इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी । इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी ।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा । कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है । ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया । 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है ।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर । पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए । पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया । जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए । एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया । घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई । इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली । दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं । सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है । अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए । सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है । इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है । रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया । इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया । इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था । सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है । केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है । जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं ।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री ।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है । जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है । पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है । जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था ।

पाकिस्तान में महिला का खुला अधिकार बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 'खुला' के माध्यम से वैवाहिक संबंध समाप्त करने के एक महिला के अधिकार को बरकरार रखा और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार को तलाक के लिए एक वैध आधार के रूप में मान्यता दी है।

खुला एक इस्लामी अवधारणा है जो विवाह विच्छेद के महिला के अधिकार को मान्यता देती है। यह तलाक के विपरीत है जो पुरुष को यह अधिकार प्रदान करता है। उच्चतम न्यायालय की दो महिला न्यायाधीशों में से एक न्यायमूर्ति आयशा ए मलिक ने यह निर्णय लिखा जिसे शुक्रवार को न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। यह फैसला एक महिला द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान दिया गया जिसने पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) द्वारा उसके विवाह विच्छेद के दावे को खारिज किए जाने के निर्णय को चुनौती दी थी। पीएससी ने इस आधार पर उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया कि उसके पति की सहमति आवश्यक है और सुलह के सभी प्रयास अभी नहीं किए गए हैं।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था । मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं । हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरु नहीं कर सकते हैं । उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है ।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी ।

आज का पंचांग

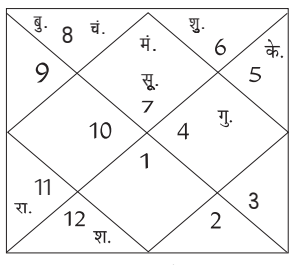

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत ।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती ।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा ।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें । खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा । राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए । अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं । अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें ।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी । विवादों को सुलझा सकते हैं । घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है । कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा । जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा । दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है ।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें । अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें । लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं । आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे । घर का वातावरण अनुशासित रहेगा ।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें । उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी । अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें । आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें । प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें ।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है । विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं । कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे । उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे ।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी । आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है । आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे । उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं । रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है ।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए । लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें । कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं । यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं ।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है । फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें । भविष्य की योजना न बनाएं । विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे । आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं । कारोबार की स्थिति में सुधार होगा ।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं । भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है । आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए । लोग आपको धोखा दे सकते हैं । जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं ।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं । अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें । सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जाएंगे । आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा । प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है ।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे । स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है । लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी । परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी । पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है ।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है । अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे । बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं । व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है । अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें ।

सुडोकू-140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है । जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है । सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं । इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है । कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए । एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए ।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की शृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या शृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की शृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शारदुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे शृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे शृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान शृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्ष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह | मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।